शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 94 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 30 अप्रैल 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'कांग्रेस को संविधान नहीं बदलने दूंगा'

धर्म के नाम पर आरक्षण लागू करने या संविधान को बदलने का प्रयास नहीं हो सकता: पीएम मोदी

मुंबई

भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सातारा में एक चुनावी सभा में कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, कांग्रेस को संविधान बदलने नहीं दूंगा। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग झूठा प्रचार कर रहे हैं कि अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे। उन्होंने मतदाताओं से कांग्रेस के झूठे प्रचार पर विश्वास न करने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सातारा में चुनाव प्रचार सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक मुझे जनता का आशीर्वाद है, तब तक धर्म के नाम पर आरक्षण लागू करने या संविधान को बदलने का प्रयास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेसी प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। यानी गरीब भूख से मर जाए, मर जाए, अनाज सड़ जाए लेकिन कांग्रेस सरकार गरीबों को अनाज देने को तैयार नहीं थी। आज हमारी सरकार 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को हर महीने मुफ्त अनाज उपलब्ध कराती है। पीएम मोदी ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ लेकिन कांग्रेस ने देश में गुलामी की मानसिकता को पनपने दिया। छत्रपति महाराज की नौसेना का लोहा पूरी दुनिया मानती थी लेकिन इतने सालों तक स्वतंत्र भारत की नौसेना के झंडे पर ब्रिटिश चिन्ह था। मैंने अंग्रेजों के इस प्रतीक को बदल दिया। मेरा दृढ़ संकल्प है कि हमारे नौसैनिक ध्वज पर छत्रपति शिवाजी का प्रतीक चिन्ह लगाने से इस ध्वज की ताकत बढ़ जाएगी।

देश को बांटती रही है कांग्रेस: पीएम मोदी

मुंबई

भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सोलापुर में कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सत्ता पाने के लिए देश को बांटती रही है। इंडी गठबंधन का मकसद किसी तरह सत्ता हासिल कर मलाई खाना है। इसलिए मतदाताओं को इंडी गठबंधन की साजिश से सावधान रहने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को सोलापुर में भाजपा उम्मीदवार राम सातपुते के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन में नेता के नाम पर महासंग्राम चल रहा है।

अब आप बताइए, क्या आप इतना बड़ा देश किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ में देने जा रहे हैं, जिसका नाम नहीं पता, जिसका चेहरा नहीं मालूम?

भाजपा खत्म कर देगी आरक्षण: राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि राहुल ने आगे कहा कि जब ये किसी सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण करते हैं तो ये आरक्षण को खत्म करते हैं, सार्वजनिक क्षेत्र में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को जगह मिलती थी। जैसे ही सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण हो जाता है वहां ना किसी दलित को, ना पिछड़े वर्ग को ना आदिवासी को जगह मिलती है। मैं किसी भी भाजपा के नेता को चुनौती देता हूं कि वो कह दे कि हम सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण नहीं करेंगे, वो कह दे कि हम ठेकेदारी प्रथा को बंद कर देंगे, वो कह दे कि हम किसानों का कर्जा माफ कर देंगे। ये लोग ऐसा कर ही नहीं सकते।

कांग्रेस शाह के भाषण को एडिट करके फैला रही भ्रम: मुख्यमंत्री विष्णुदेव

रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो से छेड़छाड़ कर आरक्षण खत्म करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है।

कांग्रेस के ऐसे दुष्प्रचार पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसी हरकतें बर्दास्त नहीं की जाएंगी। अपनी बुरी हार सामने देख कर कांग्रेस अब कोई भी स्तरहीन हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आ रही है। दशकों तक आदिवासियों, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग के लोगों को ठगती रहने वाली, वंचित समूहों का शोषण करने वाली कांग्रेस अब फिर से आरक्षण के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि अपनी बुरी हार सामने देख कर कांग्रेस अब कोई भी स्तरहीन हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आ रही है। दशकों तक आदिवासियों, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग के लोगों को ठगती रहने वाली, वंचित समूहों का शोषण करने वाली कांग्रेस अब फिर से आरक्षण के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है। गृहमंत्री शाह के भाषण को भी गलत तरीके से एडिट कर वह भ्रम फैला रही है। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी देते हुए लिखा कि आदिवासियों-पिछड़ों-दलितों के खिलाफ ऐसा भद्दा मजाक करने से बाज आये। ऐसी हरकतें बिल्कुल सहन नहीं की जाएगी।

ये लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है : राहुल गांधी

रायपुर /बिलासपुर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ दौरे में बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सकरी स्थित सिंचाई कॉलोनी मैदान में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है। कांग्रेस संविधान को बचाने का काम कर रही है। गरीबी खत्म करने के लिए हम एक क्रांतिकारी स्कीम लेकर आ रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने बेरोजगारी की दीवार बनाई है उसे हम तोड़ने जा रहे हैं। करोड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। सरकार बनते ही किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा। हम एमएसपी यानी मिनिमम सपोर्ट प्राइस किसानों को देने जा रहे हैं। हम एमएसपी पर कानून बनाने जा रहे हैं। मनरेगा में आज की तारीख में 250 रुपया मिलता है, सरकार बनते ही उसे 400 रुपये किया जाएगा। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं की वेतन राशि दोगुना कर देंगे। हम आपको 50 फीसदी से ज्यादा रिजर्वेशन देंगे, ये वादा करते हैं।

शाह के फर्जी वीडियो मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़े फर्जी वीडियो के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। गिरफ्तार आरोपी का नाम रीतम सिंह है।

फर्जी वीडियो मामले में गृह मंत्रालय गंभीर

दरअसल, सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें छेड़छाड़ की गई है। वीडियो में शाह एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण खत्म करने की बात करते दिख रहे हैं। एक दिन पहले रविवार को शाह का फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले लोगों को खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गृह मंत्रालय ने मामले को गंभीरता से लिया है। स्पेशल सेल उन एक्स अकाउंट पर नजर रख रही है, जो इस वीडियो को पोस्ट कर रहे हैं। वीडियो डिलीट करने वाले भी जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। भाजपा ने भी इस वीडियो के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में भाजपा ने बताया कि अमित शाह ने एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण को खत्म करने को लेकर कोई बात नहीं की है। वायरल वीडियो पूरी तरह से फर्जी है। उनके वीडियो के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। भाजपा का कहना है कि मूल वीडियो में शाह ने तेलंगाना में मुसलमानों के लिए असंवैधानिक आरक्षण हटाने की बात कही थी। मामले में भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि जिसने भी फर्जी वीडियो साझा किया है, वे कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

दिल्ली पुलिस अलर्ट, एक्स और फेसबुक से मांगी जानकारी : मामले में दिल्ली पुलिस एक्टिव हो गई है। पुलिस ने एक्स और फेसबुक को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने जानकारी मांगी है कि दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किस-किसने से गृहमंत्री शाह के फर्जी वीडियो को शेयर किया है।

फर्जी वीडियो के मामले में भाजपा ने की चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उसने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए गृह मंत्री अमित शाह का एक फर्जी वीडियो प्रसारित किया। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सोमवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने फर्जी वीडियो के प्रसारण के साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ भी शिकायत

दर्ज कराई। भाजपा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी हिंसा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। इसके साथ कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत पर चुनावी प्रचार प्रसार के लिए बच्चों के इस्तेमाल की शिकायत करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

एक जनसभा से तीन लोकसभाओं को साध गईं बसपा सुप्रीमो मायावती

बदायूं

बसपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बने लोकसभा क्षेत्र के इस्लामनगर के कंधरापुर गांव में सोमवार को बदायूं, संभल और आंवला लोकसभा के प्रत्याशियों के लिए चुनावी सभा को संबोधित किया। बदायूं में बसपा सुप्रीमो मायावती ने जहां एक ओर विरोधी दलों की घेराबंदी की, वहीं दूसरी ओर बीएसपी के समर्थन में वोटिंग को प्रेरित किया। मायावती ने कहा कि टिकट देने में समाजवादी पार्टी जहां पर मुस्लिम आबादी ज्यादा

होती है और हिन्दू की आबादी कम होती है तो वहां पर हिंदू को टिकट देती है। जहां पर हिंदू आबादी ज्यादा है वहां पर मुस्लिम कैंडिडेट को टिकट देती है यह समाजवादी का असली चरित्र है। बदायूं में सपा ने तय किया है कि मुस्लिम आबादी यहां कितनी भी ज्यादा क्यों ना हो,लेकिन चुनाव उनके परिवार का ही सदस्य य उनकी जाति का ही लड़ेगा।

वहीं संभल में भी मुस्लिम आबादी ज्यादा है इसके बाद भी बीजेपी ने हिंदू को खड़ा किया है। सपा ने भी हिंदू को खड़ा किया है। सपा को लगा दो हिंदू प्रत्याशी खड़े होने से बसपा चुनाव न जीत जाए तो समाजवादी पार्टी ने हमारी पार्टी का फर्जी फॉर्म ए और बी लगाकर हिंदू को खड़ा कर दिया।

बंगाल शिक्षक भर्ती: सीबीआई जांच पर 'सुप्रीम' रोक

नई दिल्ली

कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक फैसले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सर्वोच्च अदालत ने उस फैसले पर रोक लगाई है, जिसमें उच्च न्यायालय ने शिक्षक भर्ती घोटाले में पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए सीबीआई को निर्देश दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले पर फिलहाल कोई रोक नहीं लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने की सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई की। पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी, जिसमें उच्च न्यायालय ने राज्य संचालित और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा की गई 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य कर दिया था। पीठ अब इस मामले की सुनवाई छह मई को करेगी।

ममता ने कहा- हाईकोर्ट का फैसला अवैध है

सभी को चार सप्ताह के अंदर ब्याज सहित वेतन लौटाना होगा। सभी को 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ पैसा लौटाना होगा। नए लोगों को नौकरी मिलेगी।

ममता बनर्जी ने हाल ही में हाईकोर्ट के फैसले को अवैध बताया। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों के साथ खड़े हैं, जिनकी नौकरियां चली गई हैं। बनर्जी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा न्यायपालिका के निर्णयों को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है।

हाईकोर्ट के आदेश से आरोपी परेशान हो सकता है, राज्य सरकार क्यों?

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल से जुड़े एक और मामले में सुनवाई की। इस दौरान अदालत ने बंगाल सरकार से पूछा कि संदेशखाली मामले में कुछ निजी व्यक्तियों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार को याचिकाकर्ता के रूप में सर्वोच्च अदालत क्यों आना पड़ा। सुनवाई के दौरान, अदालत ने पूछा कि उच्च न्यायालय के फैसले से आरोपी परेशान हो, ये समझ आता है लेकिन राज्य सरकार क्यों परेशान हो रही है।

आपराधिक मामलों के लम्बित होने से जमानत देने से नहीं किया जा सकता इंकार

प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अगर आरोपी के खिलाफ पहले से कई अन्य मामले लम्बित हैं तो इस आधार पर नए मामलों में जमानत देने से इंकार नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऐश मोहम्मद और शिवराज सिंह उर्फ लल्ला बाबू के मामले में दिए गए आदेश का हवाला दिया। इसके साथ ही याची की जमानत मंजूर करते हुए उसे रिहा करने का आदेश पारित किया। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी ने आजमगढ़ के शैलेष

कुमार यादव की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। याची के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित आईपीसी की दो अन्य धाराओं में आजमगढ़ के देवगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज है। याची अधिवक्ता ने कहा कि वह याची निर्दोष है और उसे गलत इरादे से मौजूदा मामले में झूठा फंसाया गया है। याची का नाम प्राथमिकी में नहीं है। पुलिस ने मुखबिर से सूचना मिलने के आधार पर याची को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसके पास से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है और इकबालिया बयान के आधार पर मामले में फंसाया गया है। सरकारी अधिवक्ता ने इसका विरोध किया और कहा कि यदि आवेदक को जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वह फिर से इसी तरह की गतिविधियों में शामिल हो जाएगा और जमानत की स्वतंत्रता का दुरुपयोग करेगा।

अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को लेकर पुनर्विचार याचिका दायर

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका दायर कर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले की समीक्षा की मांग की गई है। बता दें कि शीर्ष अदालत ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले की वैधता को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में एक मई को सुनवाई होगी। संविधान में जम्मू कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था।

कनाडा में फिर लगे खालिस्तान समर्थक नारे, उच्चायुक्त तलब

नई दिल्ली

कनाडा में बैसाखी के मौके पर आयोजित खालसा दिवस कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक नारे लगाने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और विपक्षी नेता न केवल शामिल होते हैं बल्कि खालसा के समर्थन में भाषण भी देते हैं। वीडियो को साझा करते हुए भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने इस घटना पर चिंता जताई है। इसके साथ उन्होंने जस्टिन ट्रूडो को नसीहत दी है कि अगर घर के पीछे सांप पालेंगे तो दूसरों के साथ एक दिन वो आपको भी डसेगा। सोमवार को

भाजपा नेता आरपी सिंह ने ट्वीट में कहा कि कनाडा में आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय राजनीतिक हस्तियों पर निज्जर की मौत में शामिल होने के आरोप वाले पोस्टर भी लगाए गए। रैलियों में खालिस्तान प्रचार और भारत विरोधी पोस्टर दिखाए गए। आरपी सिंह ने कहा कि कनाडा में जो कुछ हो रहा है, उसके संबंध में तीन प्रमुख चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक नारों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री और विपक्षी नेता समारोह में शामिल होते हैं। इसके साथ कार्यक्रम में निज्जर की मौत के लिए भारतीय राजनयिकों को दोषी ठहराते हुए पोस्टर भी लहराए जाते हैं। और तो और कनाडा भर में खालिस्तान प्रचार, भारत विरोधी पोस्टरों के साथ रैलियां की जाती हैं।

भाजपा कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक भगवामय हुई सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

सीएम योगी ने स्वयं संभाली राजनाथ सिंह के नामांकन की कमान

लखनऊ

राजधानी लखनऊ की सड़कों पर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का विकास रथ' निकला। इस पर सवार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हाथ जोड़कर आमजन का अभिवादन करते रहे तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाथ में 'कमल का फूल' और चेहरे पर मुस्कान लिए आमजन से जुड़े रहे। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय से प्रारंभ हुआ रोड शो कलेक्ट्रेट तक पहुंचा। कार्यकताओं के हौसलों के आगे चिलचिलाती धूप भी बौनी दिखी। रास्ते में कई स्थानों पर कार्यकताओं समेत समाज के विभिन्न वर्गों ने

योगी-राजनाथ पर पुष्पवर्षा भी की। पूरा रास्ते भाजपा के झंडे संग भगवामय रहा।

रोड शो के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तरांखड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, कौशल किशोर, महापौर सुषमा खर्कवाल, देवरिया के सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, विधायक राजेश्वर सिंह, नीरज बोरा, पंकज सिंह आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

योगी आदित्यनाथ ने स्वयं संभाली कमान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीच-बीच में स्वयं कमान संभाल लेते हुए व्यवस्था संभालने का आह्वान करते रहे। योगी ने लखनऊवासियों का आभार जताया तो 'भारत मां की जयकार, वंदे मातरम, फिर एक बार-मोदी सरकार' आदि नारे लगवाते रहे। योगी आदित्यनाथ रास्ते की व्यवस्था को भी माइक से संभालते रहे। अव्यवस्था न हो, इसके लिए बीच-बीच में भाजपा कार्यकताओं व व्यवस्था से जुड़े लोगों को रथ से ही निर्देश भी देते रहे। विकास रथ पर राजनाथ सिंह हाथ जोड़ आमजन का अभिवादन करते रहे तो योगी आदित्यनाथ कमल का फूल चुनाव चिह्न लेकर अबकी बार-400 पार का संवाद भी करते रहे। रोड शो के दौरान देशभक्ति गीत भी लोगों में जोश भरता रहा। जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे. ऐ वतन-ऐ वतन आदि गीतों पर ढोल-नगाड़े संग लोग झूमते रहे।

नलकूपों से घिरा है प्रयागराज का ऐतिहासिक कस्बा शंकरगढ़ फिर भी है 50 सालों से प्यासा...

आलोक गुप्ता

शंकरगढ़। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित मैं शंकरगढ़ हूं। विंध्य पर्वत की श्रृंखलाएं मुझे छूती हुई निकलती हैं। इसका असर मेरे ऊपर भी पड़ता है। इसी वजह से लोगबाग मुझे ह्यपत्थरों का गढ़ह्ण शंकरगढ़ भी कहते हैं। पहाड़ी क्षेत्र होने के नाते मेरी एक समस्या सदियों से बनी हुई है और इसका स्थाई समाधान नहीं हो सका।वह समस्या है पेयजल की।

वैसे तो इस क्षेत्र के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के नाम पर समय-समय पर अलग-अलग सरकारों ने तमाम उपकार किए। योजनाओं को कागज से जमीन पर उतारा गया। पर, कोई भी योजना सफलता की बुलंदियों तक नहीं पहुंच पाई।

पेयजल देने के नाम पर सरकारों ने योजनाओं पर फूंके करोड़ों रुपये

नतीजा मैं प्यासा ही रह गया। सरकार चाहे कांग्रेस की रही हो या फिर सपा-बसपा और भाजपा की। सभी सरकारों में पेयजल संकट को दूर करने के लिए तमाम तरह के वादों को अमलीजामा पहनाने की कोशिश की गई। मौजूदा समय में मेरे इर्द-गिर्द ओवरहेड टैंक (पानी की टंकी) का जाल फैला हुआ है, लेकिन किसी से भी पानी नहीं मिल रहा। अप्रैल, मई और जून के माह में यहां का वाटर लेवल 250-350 फीट नीचे तक चला जाता है। ऐसे में प्रत्येक वर्ष यहां के लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। ज्यादा हायतौबा मचने पर कुछ दिन तक टैंकर से सप्लाई की जाती है, लेकिन बरसात के शुरू होने के बाद फिर से सबकुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

कम क्षमता की लगाई गई मोटर

मौजूदा समय में नगर पंचायत शंकरगढ़ में कनक नगर, रामसागर तालाब, लाहौरी तालाब, रानीगंज, जलनिगम समेत कई जगहों में नलकूप का बोर कराया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल गर्मी में करीब 250 से 300 फीट तक पानी नीचे चला जाता है। जबकि कम क्षमता वाली लगाई गई मोटर सिर्फ 100 फीट तक ही काम करती है। दो प्रांतों की सीमा पर आबाद इस कस्बे की इस समस्या के लिए अब तक करोड़ों रुपये खर्च हो चुके है, पर समस्या ज्यों की त्यों बनी है, इसका सबसे बड़ा कारण सरकारी सिस्टम से जुड़े लोग है, जो यह नही चाहते कि समस्या का स्थाई समाधान हो।

टैंकर से पहुंचाया जा रहा पीने का पानी

नगर पंचायत शंकरगढ़ के लिए हाल ही में लाई गई साढ़े चार करोड़ की पेयजल योजना भी धराशायी हो गई। इस योजना का पानी सिर्फ कागजों में आ रहा है। वही नगर पंचायत के कई वार्डों में लगी नलकूप की मोटर या तो खराब पड़ी हैं या पानी नही दे रही है। मौजूदा समय में कस्बे के कई मोहल्लों में टैंकर से पानी की सप्लाई की जा रही है। तो दर्जनों कस्बावासी अपने पड़ोसियों की दया पर निर्भर है। जिनसे कम से कम पीने लायक पानी तो मिल जाता है। इस मसले को लेकर ईओ से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नही हो सका।

टीजीटी शिक्षक भर्ती मामला, आरक्षित वर्ग को शामिल कर प्रतीक्षा सूची बनाने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने टीजीटी शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) में सहायक शिक्षकों की भर्ती के लिए आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नए सिरे से प्रतीक्षा सूची तैयार करने वाले एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने आरक्षित वर्ग के याचियों को अपनी आपत्ति दाखिल करने के लिए दो हफ्ते की मोहलत दी है।यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की ओर से हाईकोर्ट की एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती देने वाली विशेष अपील पर पारित किया है, जिसमें एकल पीठ ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को योग्यता के आधार सामान्य श्रेणी की योग्यता सूची में शामिल करते हुए नए सिरे से प्रतीक्षा सूची तैयार करने का आदेश दिया था। यह कहा था कि सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार की तुलना में अधिक अंक प्राप्त करने वाले आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार को सामान्य श्रेणी के रूप में चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी। जबकि, आरक्षित श्रेणी में केवल आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों का ही चयन होगा।मामला वर्ष 2021 की सहायक अध्यापक भर्ती का है। यूपी माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने 12603 पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। ओबीसी श्रेणी के लिए जारी कट-ऑफ अन्य उम्मीदवारों के बराबर होने के कारण उन्हें प्रतीक्षा सूची में रखा गया था। इस सूची में आरक्षित श्रेणी से कम अंक पाने वाले सामान्य अभ्यर्थियों को सबसे ऊपर रखा गया था। जबकि ज्यादा अंक पाने वाले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को सामान्य श्रेणी के सीटों से वंचित किया जा रहा था। इसके खिलाफ अखिलेश कुमार व अन्य की ओर से एकल पीठ में याचिका दाखिल की गई थी, जिसे एकल पीठ ने स्वीकार किया था। प्रतीक्षा सूची नए सिरे से तैयार करने का आदेश दिया था।इस आदेश को चयन बोर्ड ने हाईकोर्ट की खंडपीठ में चुनौती दी है। बोर्ड की ओर से पेश वकील ने तर्क दिया कि बोर्ड ने सामान्य श्रेणी की रिक्त रह गई सीटों के आधार पर प्रतीक्षा सूची तैयार कर नियुक्ति की सिफारिश कर रहा है। चूंकि सभी सीटें सामान्य वर्ग की है इसलिए सामान्य वर्ग को सूची में शामिल किया गया है। यह भी तर्क दिया कि मुख्य चयन सूची में आरक्षण लागू हो चुका है। एक श्रेणी को दूसरी श्रेणी में स्थानांतरित नही किया जा सकता। इसके अलावा यह तर्क भी दिया कि एकल पीठ में दाखिल याचिका में सामान्य वर्ग के हितबद्ध अभ्यर्थियों को प्रतिवादी नही बनाया गया था। कोर्ट ने आरक्षित वर्ग के याचियों के वकील उत्कर्ष बिरला को विशेष अपील के विरुद्ध आपत्ति दाखिल करने के लिए दो हफ्ते की मोहलत दी है। मामले की अगली सुनवाई 15 मई को होगी।

प्रयागराज में पहली बार हुई खाने की फटी नली की सफल सर्जरी, ईएचपीवीओ से पीड़ित थी बच्ची

प्रयागराज। पिछले सात वर्षों से एक्स्ट्रा हेपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रक्शन या पोर्टल हाइपरटेंशन (ईएचपीवीओ) से ग्रसित सोनभद्र निवासी एक 17 वर्षीय बच्चे की स्वरूपरानी नेहरु चिकित्सालय (एसआरएन) में सफल सर्जरी की गई। करीब छह घंटे चले ऑपरेशन के दौरान फट चुकी खाने की नली को चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक ठीक किया। मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ है। प्रयागराज में इस प्रकार की यह पहली सर्जरी है। एसआरएन में दो मार्च 2024 को सोनभद्र निवासी 17 वर्षीय बच्चे को इलाज के लिए लाया गया। इस दौरान पता चला कि मरीज 2017 से एक्स्ट्राहेपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रक्शन (ईएचपीवीओ) रोग से ग्रसित है। बच्चे के खाने की नली फट चुकी थी। इस वजह से उसके मुंह से बराबर खून की उल्टी हो रही थी। मरीज का इससे पहले इलाज एसजीपीजीआई में हो रहा था। जहां खाने की नली को बैंडेजिंग करके खून की उल्टी रोक दी गई थी। वहां भीड़ ज्यादा होने के कारण सर्जरी के लिए नंबर नहीं मिल पा रहा था।बच्चे की हालत खराब होती जा रही थी। एसआरएन में जांच की गई। इसके बाद गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के डॉ. तरुण कालरा, सीटीवीएस के डॉ. विकास सचदेवा और डॉ. छविंदर सिंह ने 20 अप्रैल को सर्जरी की योजना बनाई। स्प्लेनोरेनल शंट (डीएसआरएस) नामक यह सर्जरी करीब छह घंटे चली। जिसके बाद मरीज बिलकुल ठीक हो गया। वहीं 27 अप्रैल को अस्पताल से मरीज को छुट्टी मिल गई।बच्चे की हालत खराब होती जा रही थी। एसआरएन में जांच की गई। इसके बाद गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के डॉ. तरुण कालरा, सीटीवीएस के डॉ. विकास सचदेवा और डॉ. छविंदर सिंह ने 20 अप्रैल को सर्जरी की योजना बनाई। स्प्लेनोरेनल शंट (डीएसआरएस) नामक यह सर्जरी करीब छह घंटे चली। जिसके बाद मरीज बिलकुल ठीक हो गया। वहीं 27 अप्रैल को अस्पताल से मरीज को छुट्टी मिल गई।

कमाण्डेन्ट ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

अखंड भारत संदेश

फाफामऊ। सोमवार को 101 आर.ए.एफ. के तत्वावधान में लोकसभा चुनाव 2024 के तहत मतदाता जागरूकता रैली मनोज कुमार गौतम, कमाण्डेंट-101 के नेतृत्व में 101 आर.ए.एफ कैम्प परिसर से फाफामऊ एंव आस-पास के क्षेत्र में निकाली गई। जैसा कि विदित है कि लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान के प्रतिशत में बढ़ोत्तरी हेतु चुनाव आयोग द्वारा कई अभियान जारी किए जा रहे है। इसी कम में 101 आर.ए.एफ के द्वारा आम नागरिकों के बीच मतदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई इस अवसर पर वाहिनी के कमाण्डेंट मनोज कुमार गौतम ने अपने सम्बोधन में कहा कि मतदान लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है, आपका वोट आपकी ताकत है, जो देश को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाता है। अतः मतदान अवश्य करें तथा उपस्थित जनसमूह से अपील की, कि स्वयं मतदान करें और अपने परिवार एव आस पड़ोस के नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करें उक्त अवसर पर प्रेमजीत कुमार (द्वि. कमा.अधि.), बृजेश कुमार दुबे उप कमाण्डेन्ट, टी एन सिंह उप कमाण्डेन्ट तथा अन्य अधिकारी गण, अधीनस्थ अधिकारी गण व जवान उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशियों का नामांकन 1 मई को डिप्टी सीएम केशव मौर्य रहेंगे मौजूद

फाफामऊ। फूलपुर एवं इलाहबाद लोकसभा सीट से भाजपा के दोनों प्रत्याशियों प्रवीण पटेल व नीरज त्रिपाठी का नामांकन 1 तारीख को दाखिल होगा। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने बताया कि 1 मई को चंद्रशेखर आजाद पार्क से सुबह 10 बजे पार्टी के दोनों प्रत्याशी पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों के साथ नामांकन दाखिल करेंगे।इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी उपस्थित रहेंगे। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि दोनों प्रत्याशी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चंद्रशेखर आजाद पार्क से कर्नलगंज, नेतराम चौराहा होते हुए कचहरी प्रधान डाकघर पहुंचेंगे उसके बाद नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक, पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। नामांकन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नामांकन को लेकर लोकसभा प्रभारी बालेंदु मणि त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, गंगापार जिलाध्यक्ष कविता पटेल ने बैठक कर रूपरेखा तैयार की एवं चंद्रशेखर आजाद पार्क के पास स्थलीय जायजा भी लिया जहां दोनों प्रत्याशियों एवं कार्यकर्ताओं को पहुंचना है।

न्यूज झरोखा

करछना जबर गंज बाजार में पकड़ा गया मोबाइल चोर

करछना प्रयागराज, लालापुर, बारा निवासी हरिमोहन पुत्र राधेश्याम निषाद करछना रेलवे कॉलोनी में रहते है को शाम हरिमोहन करछना थाने के पीछे हिंदूपुर गांव में जबरगंज बाजार में सब्जी ले रहे थे तभी 14 साल का एक लड़का बड़ी ही सफाई से शर्ट की जेब से तेजी से मोबाइल निकाल के भागने लगा । हरिमोहन दौड़ कर उस लड़के को पकड़ लिए तो भीड़ इकट्ठा होने लगी तो दुकानदारों ने बताया कि इन मोबाइल चोरों की पूरी गैंग चल रही है । और ये सभी नाबालिक और छोटे छोटे बच्चे होते है और ये सिर्फ भीड़ भाड़ वालों सब्जी मंडी के बाजारों में ही अपना निशाना बनाते है । ये नाबालिक चोर बरदहा, करेहा, रामपुर, जबरगंज बाजार में लोगों की मोबाइल, पर्स, सोने की चैन, मंगलसूत्र, छुमके आदि को निशाना बनाते है । पकड़े जाने पर चोर ने खुद को झारखंड का बताया और बोला की मुझे इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 200 रुपए देकर इधर चोरी करने के लिए ले आया गया था । लडके के दाएं हाथ में लव मॉम एंड डैड का टैटू गुदा हुआ है । हरिमोहन ने नाबालिक चोर को पकड़ कर करछना थाने में भेज दिया ।

जंघई, पिलखिनी, भूलेंद्र, चंपापुर में पहुंची मोदी विकास रथ यात्रा गिनाई उपलब्धियां

जंघई। भाजपा जंघई मंडल अंतर्गत चंपापुर बनवासी बस्ती, भूलेंद्र हरिजन एवं बनवासी बस्ती, पिलखिनी बनवासी बस्ती, जंघई बनवासी बस्ती मे विकसित भारत मोदी की गारंटी, एक बार फिर मोदी सरकार के? नारों के बाद मोदी सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी देने हेतु प्रचार वाहन विभिन्न दलित बस्तियों में पहुंचा और सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। मोदी विकास रथ यात्रा जय भाजपा तय भाजपा, अपना बूथ सबसे मजबूत, अबकी बार 400 के पार नारों के साथ जंघई मंडल के विभिन्न हिस्सों में पहुंची।इस अवसर पर प्रदीप शर्मा बाबा महामंत्री जंघई मंडल, अजीत मिश्रा पिलखिनी सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष भूलेन्द्र साई मिश्रा, रिंकू मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में किसान नहर में कूदा शव मऊआइमा क्षेत्र में मिला

मऊआइमा। बहरिया क्षेत्र में नहर में संदिग्ध हालात में कूदा किसान की तैरती हुई लाश सोमवार को सुबह मऊआइमा में मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहरिया थाना क्षेत्र के ग्राम सराय ख्वाजा उर्फ भगौना निवासी विजय बहादुर 54 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राम लखन संदिग्ध हालात में शाम को नहर में रविवार को कूद गया।शव बहते हुए मऊआइमा के ग्राम सराय टोडरमल नहर के पास मऊआइमा पुलिस ने बरामद कर परिजनों को सूचना दी। सूचना पर परिजनों का रोने बिलखने लगे। पुलिस ने शव को कब्जे में ले सोमवार को सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नशे लत फंस रहे युवा,जिम्मेदार मौन!

गोरखधंधा को बढ़ावा देने वाला, पुलिस महकमा का बना विश्वनीय

अखंड भारत संदेश

मांडा-प्रयागराज। इन दिनों मांडा क्षेत्र में स्मैक, गांजा का कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है और जिम्मेदार अफसर हफ्ता, माहवारी लेने में नही चूक रहें हिन्दी सिनेमा की बहूचर्चित फिल्म उड़ता पंजाब में ड्रग्स के नशे में डूबी दुनिया को पर्दे पर उतार कर दिखाया गया है कि नशे के चंगुल में फंस कर किस तरह लोग बर्बादी के कगार पर पहुंच रहे हैं। इन दिनों कुछ ऐसा ही मांडा क्षेत्र के युवाओं में देखने को मिल रहा है। युवाओं में तेजी से नशे की लत फैल रही है। और युवा पीढ़ियों में 14 से 25 साल में नशे की लत तेजी से फैल रही है। यह नशा शराब या सिगरेट का नहीं है, बल्कि गांजा, कोकीन, अफीम, डेंडराइट, स्मैक और नशीली दवाओं का है। इस तरह का नशा करने की वजह से युवाओं की मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। जिससे आए दिन मांडा क्षेत्र में चोरी की घटानाओं में इजाफा हों रहा है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि कानून व्यवस्था से जुड़ी पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगती अवैध स्मैक का कारोबार मांडा क्षेत्र में कहां और किस तरह से हो रहा है। ये सभी जानते हैं लेकिन मांडा पुलिस कान में तेल डाल चुप्पी साधी रहती है।

जहां स्मैक की एक छोटी सी पुड़ियों की शुरुआत सैकड़ों से शुरू होती है जो हज़ारों तक पहुंच रही है। लेकिन हमारी चुस्त दुरुस्त और अपराधियों की धर पकड़ के लिये सदैव मुस्तैद रहने वाली पुलिस इन सब से अनजान है। स्कूल और कॉलेज में पढ़ रहे कई छात्र नशेडियों के चंगुल में फंस जाते हैं। शुरू में इन्हें शौक के लिए स्मैक का नशा कराया जाता है। बाद में यह नशा छात्रों के जेहन में इतना उतार दिया जाता है कि वे इसके आदी हो जाते हैं। हैरत की बात तो यह है कि इन अवैध कारोबारियों पर नकैल कसने की जिम्मेदारी योगी सरकार ने जिस पुलिस के कंधों पर दी है उन कांधों के मौन संरक्षण के कारण ही क्षेत्र में नशे का कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है तभी तो थाना चौकियों के पास बिक रही स्मैक और उनके कारोबारियों लगाम नहीं लग पा रही हैं। बता दें कि स्मैक का नशा युवाओं के दिलो दिमाग पर इस कदर छा जाता है कि 15 दिन में ये इसके आदी हो जाते हैं। इसकी तलब मिटाने के लिए स्मैकची को जैसे-तैसे स्मैक का जुगाड़ करना पड़ता है। स्मैक नहीं मिलने पर युवाओं में गुस्सा होना, झगड़ा करना इत्यादि आदतें सामान्य हो जाती है। ऐसे में महंगे नशे का शौक पूरा करने के लिए कई युवा अपराध की राह चुन रहे हैं। मांडा सीएचसी के इर्द गिर्द भी नशेड़ियों ने अपना अड्डा बना रखा है। वही थाना क्षेत्र मांडा रोड, दिघिया ,महेवा,पियरी, कूदर, राजापुर, गिधरपुर आदि स्थानों पर धडल्ले से बिकना लाजमी है।

मुआवजा के बगैर निजी जमीन लेने का नगर पंचायत मऊआइमा का लोगों ने किया विरोध

अखंड भारत संदेश

डीएम को सौंपा ज्ञापन, बताया हाईकोर्ट से है स्टे, बगैर मुआवजा न लें

मऊआइमा। मऊआइमा नगर पंचायत क्षेत्र के सड़क चौड़ीकरण के लिए उप जिलाधिकारी द्वारा चिन्हित किए जाने के बाद मकान मालिकों ने कानून का हवाला देते हुए मुआवजे की मांग की है। लोगों ने बगैर मुआवजा दिए प्राइवेट प्रापर्टी को अतिक्रमण बताने पर ऐतराज जताया है। बताए कि पूर्व इस मार्ग के चौड़ीकरण हेतु बिना मुआवजा के स्टे हुआ है। भूस्वामियों के अधिवक्ता फारूक अंसारी का आरोप है कि एसडीएम सोरांव बुल्डोजर का भम दिखा कर लोगों के मकान को सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बिना मुआवजा दिए हुए हटाना चाह रहे हैं।जो गलत है। बताया गया है कि जबकि उच्च न्यायालय द्वारा यह आदेश पारित किया गया है कि बिना मुआवजा दिए हुए किसी प्राइवेट व्यक्ति की प्रॉपर्टी नहीं ली जा सकती है। इसी आधार पर पहले भी सड़क चौड़ीकरण का काम रुक चुका है।नगर पंचायत मऊआइमा में कोई अभिलेख अथवा नक्शा नहीं है। किस आधार पर यह सड़क के किनारे बसे लोगों को अतिक्रमणकारी बता रहे हैं। प्रभावित मोहम्मद इरफान, मोहम्मद अदनान, मोहम्मद फरजान, रफीकुज्जमा, मोहम्मद आसिफ आदि डीएम को ज्ञापन सौंपा है और कानूनी मुआवजा अदा करने की मांग की है। बता दें कि है विगत दिनों एसडीएम डॉ. गणेश कनौजिया के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग ने नगर पंचायत में सड़क चौड़ीकरण के लिए चिन्हांकन कर एक सप्ताह में अतिक्रमण हटाने की बात कही है। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

नीरज त्रिपाठी बनेंगे सांसद तभी होगा क्षेत्र का विकास

नैनी। नैनी अरैल में जनसंपर्क के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुशील शुक्ला जनसंपर्क करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता जिला उपाध्यक्ष पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने जनसंपर्क के दौरान कहा भाजपा पूरे देश की चिंता करने वाली एक पार्टी है किसी जाति धर्म से मतलब नही है हर जाति बिरादरी का सम्मान भारतीय जनता पार्टी करती है भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी स्वस्थ छवि वाले प्रत्याशी हैं जो इस क्षेत्र के पूर्व विधायक विधानसभा अध्यक्ष पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी के पुत्र हैं जिन्होंने शहर दक्षिणी में विकास की गंगा बहाई थी आज भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में नीरज त्रिपाठी को मैदान में उतारा है हम सभी का परम कर्तव्य है कि भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता एक-एक मतदाता कमल के फूल के सामने बटन दबा करके भारी से भारी मतों से विजई बनाएं जिससे देश का विकास हो सभी बिरादरी का सम्मान हो नीरज त्रिपाठी सांसद बनेंगे तभी जमुना पार का होगा विकास इस अवसर पर नीरज शर्मा सुनील विश्वकर्मा शशांक पांडे प्रदीप तिवारी सुनील कुशवाहा सुधीर प्रजापति राज सिंह नित्यानंद मिश्रा रमेश पटेल पीयूष कांत मिश्र भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिवनगर में जनसंपर्क किया।

मेजा के तिगजा गांव में पेयजल संकट गहराया बूंद बूंद पानी को भटकते ग्रामीण प्रशासन बेखबर

अखंड भारत संदेश

गर्मी की वजह से तेजी भूजल स्तर हो रहा नीचे हैंडपंपों ने छोड़ा पानी

जल स्रोतों से निकल रहा कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

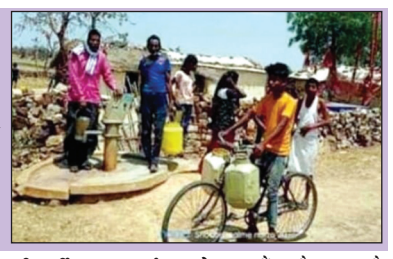

मेजा। मौसम के तल्ख होते तेवर से मेजा ब्लॉक से महज दो किमी की दूरी पर पहाड़ी अंचल में स्थित तिगजा गांव में इन दिनों पेयजल की भारी किल्लत शुरू हो गयी है।तेज धूप और जलती पहाड़ी की वजह से जल स्तर भी तेजी से नीचे गिर रहा है,आलम यह है कि इस गांव में लगे लगभग तीन दर्जन से अधिक हैंडपंपों का स्टेटा काफी नीचे होने की वजह से अधिकांश हैंडपंप पानी छोड़ चुके हैं जबकि एक दो हैंडपंप ठीकठाक हैं भी तो वे कीचड़ युक्त पानी उगल रहे हैं हालत ऐसे हो गए हैं कि यहां के ग्रामीणों के समक्ष पेयजल का संकट जहां काफी गहराता जा रहा है वहीं ग्रामीण बूंद बूंद पानी के लिए दर दर भटकने को मजबूर हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि तेजी से मौसम का पारा चढ़ने एवं आग उगलती गर्मी की वजह से विकास खण्ड मेजा का उक्त गांव जहां के लोगों की मिलीजुली कुल आबादी लगभग पांच हजार के आस पास है इन दिनों पेयजल के लिए बेहद परेशान हैं। महिलाएं एवं पुरुष दूर दराज लगे हैंडपंप से प्लास्टिक के डिब्बे में गंदा एवं कीचड़ युक्त पानी घर लाकर कपडे से छानकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं किन्तु स्थानीय तहसील प्रशासन और विकास खंड के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी जानते हुए भी मूकदर्शक बने हुए हैं। गौरतलब है कि टिगजा गांव में निरंतर बढ़ती पेयजल समस्या से बेहद चिंतित ग्राम प्रधान विजय बहादुर सिंह ने बताया कि एक बाल्टी पानी के लिए घण्टों लाइन लगानी पड़ रही है।इसकी वजह है कि गिनती के एक दो हैण्डपम्प व कुंओं से ही पानी मिल पा रहा है।मई और जून में यह स्थिति और भयावह हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि गर्मी के दिनों में विकास खण्ड मेजा के पहाड़ी इलाके के दर्जनों गांवों में एक लंबे अर्से से पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस इलाके के लिए तहसील प्रशासन द्वारा टैंकर से जलापूर्ति की जाती है। पानी किल्लत दूर करने के लिए सरकार द्वारा सैकड़ो ब्लास्टिंग कूप के निर्माण कराए गए लेकिन यह योजना कारगर नही हुई।इस क्षेत्र में एकल पेयजल योजना को भी आकार दिया गया लेकिन जलापूर्ति सम्भव नहीं हो पाई।क्षेत्र के पँचायत प्रतिनिधियों ने इस अहम मसले पर कई बार जन प्रतिनिधियों सहित प्रशासन के सामने मुद्दा उठाए लेकिन कोई सार्थक पहल आज तक नहीं की गई। हालात यह है कि तहसील क्षेत्र के इस गांव के ग्रामीण रोज पेयजल के लिए हाय तौबा करने को मजबूर हैं। इतना ही नहीं प्रधान विजय बहादुर सिंह ने यह भी बताया कि एक तरफ जहां यहां के ग्रामीण पेयजल की भारी किल्लत झेल रहे हैं वहीं विद्युत विभाग भी उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रहा है। प्रधान की बातों को सच माना जाय तो उनका आरोप है कि तिगजा गांव में कई अर्सा पूर्व विद्युती कारण किया गया था जिसमें तमाम ऐसे पोल एवं तार लगे हैं जो काफी जर्जर हो चुके हैं इन जर्जर नीचे लटकते हुए तारों खंभों से आए दिन कहीं न कहीं शार्ट सर्किट की वजह से आगजनी की घटनाएं प्रायः होती रहती हैं। इसके अलावा गांव में कई लोगों के घर समर्सेबुल भी लगे हुए हैं पेयजल की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को यदि इन समर्सेबुल पैपो से पानी की आपूर्ति करना भी चाहें तो बिना बिजली के वह भी संभव नहीं है। ऐसे हालात में ग्राम प्रधान ने विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जर्जर अवस्था में नीचे लटक रहे तारों एवं टूटे हुए खंभों को अविलंब ठीक कराने के साथ साथ नियमित विद्युत बहाल किए जाने की मांग की है जिससे भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से जूझते ग्रामीणों को बूंद बूंद पानी के लिए भटकना न पड़े।

निगाहें जल जीवन मिशन पर

केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना क्षेत्र के पकरी सेवार गंगा घाट पर करोड़ो की लागत से तैयार अवशय हो रही है और इस योजना से मेजा और कोरांव तहसील के अधिकांश गांव को जलापूर्ति किए जाने का लक्ष भी है। किन्तु इस योजना को तैयार होने में अभी भी काफी समय है लेकिन इस बीच क्षेत्र में पेयजल संकट एक बड़ी चुनौती बना हुआ है जिसका वैकल्पिक इंतजाम किया जाना बेहद आवशयक है।

शव का अंतिम संस्कार करवाने में पुलिस के फूले हांथ पांव

तीस घंटे बाद अंतिम संस्कार को राजी हुए परिजन,जमीन के मारपीट में मूकबधिर महिला की मौत, मुकदमा पकड़ा तूल

अखंड भारत संदेश

घटना स्थल पर जमा लोगों की भीड़ तथा एसडीएम को छः बिंदुओं पर ज्ञापन देते मृतक का पुत्र दीपक

सोरांव। दो घूर जमीन के मामले में रविवार को एक मूकबधिर महिला की मौत हो गई थी। जिसको लेकर शव का पोस्ट मार्टम करवाकर पुलिस ने को परिजन को सौप दिया था। जिसका परिजनों ने रविवार को देर शाम शव का अंतिम संस्कार नहीं किए। और सोमवार को भी शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए नवाबगंज, होलागढ़ और सोरांव थाने की पुलिस संग उपजिलाधिकारी डॉक्टर गणेश कनौजिया डटे रहे। शव का अंतिम संस्कार के लिए परिजन राजी नहीं हो रहे थे।

लोगों और अधिकारियों के बहुत समझाने के बाद लगभग छः बिंदुओं जैसे शास्त्र लाइसेंस, एक बीघा जमीन का पट्टा, दर्ज हुए एफआईआर में दो अतिरिक्त नामो की वृद्धि, आरोपियों को 24 घंटे में गिरफ्तारी जैसे अन्य मुद्दों पर सहमति होने के बाद लगभग तीस घंटे बाद शव का अंतिम संस्कार करने के लिए परिजनों ने फाफामऊ घाट पर ले गए। और देर शाम शव का अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के तवकलपुर गांव में पिछले कई दिनों से एक जमीन को कब्जा करने को लेकर दो पक्षों में मामूली विवाद हुआ था। और दोनों पक्ष सोराव थाने में अपनी-अपनी शिकायती पत्र भी दिए थे। जिसको लेकर पुलिस विवादित जमीन पर काम करने के लिए मना कर दी थी और दोनो पक्षों का शांति भंग में चालान भी कर दिया था।

रविवार की सुबह लगभग 8 बजे एक पक्ष विवादित जमीन पर कब्जा कर रहा था अभी पीड़ित पक्ष मना करने लगा। जिसमें दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। तथा एक महिला की मौत भी हो गई। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष थाने पर शिकायती पत्र देकर आधा दर्जन नाम लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया था।इलाके के तवकलपुर निवासी बच्चा लाल यादव पुत्र रामशरण का आरोप है कि रविवार को आरोपीगण राम औतार,अंकित, आदित्य उर्फ नाटे,अनुज, अनिल तथा जय सिंह अपने कुछ साथियों के साथ विवादित जमीन पर अवैध असलहा के साथ कब्जा करने की नियत से पहुंचे और जमीन पर कब्जा कर रहे थे। तभी पीड़ित बच्चा लाल ने मना किया तो आरोप है कि आरोपीगण जमकर लाठी, डंडा तथा लोहे की रॉड से हमला कर दिए जिसको लेकर सरिता, दीपक, अंतिम, भोला व पीड़ित की पत्नी प्रेमलता को जमकर चोटें आई। वहीं घायल प्रेमलता जान बचाने के लिए घर के अंदर चली गई। तो आरोपियों ने घर के अंदर घुसकर उसकी जमकर पिटाई कर दिए। जिससे प्रेमलता के सिर में गंभीर चोटे आई। मामले में थाना प्रभारी को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रेमलता को इलाज के लिए सोरांव सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां पर हालात नाजुक देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में जाते समय प्रेमलता (मूकबधिर) 45 की मौत हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही मृतक के पति बच्चा लाल (दिव्यांग) की तहरीर पर आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। जिसको लेकर शव को अंतिम संस्कार परिजनों द्वारा नही किया जा रहा था। मामले में लगभग तीस घंटे बाद कुछ शर्तों को मानने पर शव का अंतिम संस्कार किया गया।

.. इस बाबत थाना प्रभारी सतीश कुमार का कहना है कि मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए संबंधित स्थानों पर दबिश दी जा रही है जिसमे से दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ जारी है।

नैनी में शवदाहगृह व अस्पताल की समुचित व्यवस्था न होने पर चिन्ता

नैनी। नैनी यमुनापार विकास संघर्ष समिति के सदस्यों की बैठक रविवार को लोकपुर नैनी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भगवती प्रसाद पाण्डेय तथा संचालन सुधाकर दुबे ने किया। बैठक में नैनी मे शवदाहगृह का निर्माण अभी तक न शुरू कराने सड़कों एवं पार्कों के निर्माण में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर चिन्ता व्यक्त किया गया। नैनी मे अस्पताल के अभाव में लोगों की चिंता एवं मेला मार्गों पर शौचालय न होने से तीर्थयात्रियों को होने वाले कष्ट से शासन प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद ध्यान न देने पर

सड़को एवं पार्कों के निर्माण में घोर अनियमितता

भी चिंता जताई गई। सदस्यों ने गर्मी को देखते हुए उपयुक्त स्थानों पर फ्याऊ की व्यवस्था कराने की मांग किया। वहीं लोकसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता हेतु अभियान चलायें जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से देवेन्द्र तिवारी, हरजीत मारवा, गजेन्द्र प्रताप सिंह, शौमिक सरकार, सुनीता दुबे, सुभाष चन्द्र दुबे, रविन्द्र सिंह, प्रवीण तिवारी, आशुतोष मिश्र, विपिन सिंह, जितेन्द्र कुमार सिंह आदि सदस्य मौजूद रहे।

नौकरी नहीं मिली तो बन गया फर्जी दरोगा, किया गया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

झूंसी। पुलिस ने एक फर्जी दरोगा को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। दरोगा ने झूंसी की एक महिला का शस्त्र लाइसेंस बनवाने के नाम पर एक लाख रुपये लिए थे। जिसकी शिकायत महिला ने झूंसी पुलिस से की पुलिस ने फर्जी दरोगा के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश में लगी थी। सोमवार को एसओजी व झूंसी पुलिस ने फर्जी दरोगा को त्रिवेणीपुरम से गिरफ्तार किया।

झूंसी देवनगर में रहने वाली एक महिला ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि दिलीप कुमार शुक्ल जो कि अपने आप को दरोगा बताता है उसने शस्त्र लाइसेंस कराने के नाम पर उसे 1 लाख 35 हजार रुपये लिए थे। पैसे मांगने पर नही दे रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई। जब इस बात की जानकारी आरोपी दिलीप को हुई तो वह रविवार को महिला के घर पहुच मुकदमा वापस लेने के लिए धमकाने लगा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक और मामला दर्ज कर सोमवार को एसओजी प्रभारी जनपदी, नगर व झूंसी थाना प्रभारी की सयुक्त टीम ने आरोपी दिलीप शुक्ल निवासी भदोही कोईरौना के तुल्सीपट्टी को गिरफ्तार कर उसके पास से फर्जी परिचय पत्र, पैन, बाइक बरामद किया। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया की आरोपी को जब नौकरी नहीं मिली तो वह उत्तर प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक का फर्जी परिचय पत्र व वर्दी पहन कर लोगो से ठगी का काम शुरू कर दिया।

बरात में गए युवक की हत्या कर बालू में दफनाया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज के थरवई थाना के गारापुर में शादी समारोह से अगवा किसान लालमनि पटेल (32) की हत्या कर दी गई। हत्यारों ने शव लालापुर के नगरवार गांव में यमुना घाट पर बालू के नीचे दफना दिया था। वारदात में शामिल एक अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर लिया। हत्या में चार लोग शामिल थे, जिनकी तलाश में देर रात तक पुलिस दबिश देती रही। लालमनि पुत्र अमृतलाल पटेल थरवई में इस्माइलगंज टिकरी का रहने वाला था। 26 अप्रैल की रात वह गारापुर चौराहे के पास आयोजित एक शादी समारोह में गया था। इसी दौरान तीन लोग उसे गाली देते हुए कार में खींचकर अगवा कर लिया था। रातभर खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर पत्नी रेखा पटेल ने पुलिस को सूचना दी। इस पर शनिवार सुबह मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी। पत्नी ने पट्टीदार अजय व दिलीप पटेल को नामजद कराया। सूत्रों के मुताबिक, जांच पड़ताल शुरू हुई तो घटना में घूरपुर निवासी एक व्यक्ति की संलिप्तता की बात सामने आई। रविवार को पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ शुरू की गई तो उसने बताया कि लालमनि की हत्या कर दी गई है। बताया कि वह व उसके तीन अन्य साथी कार से अगवा कर उसे लालापुर स्थित नगरवार घाट पर ले गए। वहां सिर व चेहरा कूंचकर उसकी हत्या कर दी और फिर शव को बालू में दफनाकर भाग निकले। रविवार दोपहर पुलिस ने लालापुर पहुंचकर शव बरामद कर लिया। जमीन खोदवाकर उसका शव निकाला गया। मृतक के सिर व चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे। मौके से ही उसके जूते भी बरामद हुए। प्रभारी डीसीपी गंगानगर आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि घटना में नामजद दोनों आरोपियों समेत अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। थरवई पुलिस के साथ ही एसओजी की टीमों को भी लगाया गया है, जो उनके हरसंभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पोस्टमार्टम सोमवार आज को कराया जाएगा। मृतक के परिजनों का कहना है कि घटना में नामजद आरोपी अजय व दिलीप लालमनि के रिश्ते में भाई लगते हैं। उनसे होली पर डीजे साउंड को लेकर कुछ विवाद हुआ था। इसके अलावा अन्य किसी रंजिश से उन्होंने इन्कार किया। हालांकि पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक जांच पड़ताल में यह बात सामने आई है कि नामजद आरोपियों का जमीन को लेकर परिवार के ही कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। जिसमें लालमनि उनके विपक्षियों की ओर से पैरवी करता था। इस बात को लेकर आरोपी उससे रंजिश रखते थे।मृतक के परिजनों का कहना है कि घटना में नामजद आरोपी अजय व दिलीप लालमनि के रिश्ते में भाई लगते हैं। उनसे होली पर डीजे साउंड को लेकर कुछ विवाद हुआ था। इसके अलावा अन्य किसी रंजिश से उन्होंने इन्कार किया। हालांकि पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक जांच पड़ताल में यह बात सामने आई है कि नामजद आरोपियों का जमीन को लेकर परिवार के ही कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। जिसमें लालमनि उनके विपक्षियों की ओर से पैरवी करता था। इस बात को लेकर आरोपी उससे रंजिश रखते थे।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए घूरपुर निवासी हत्यारोपी ने पूछताछ में पुलिस को कई बातें बताईं। बताया कि उसके तीन साथी लालमनि को कार में पीटते हुए पहले घूरपुर ले आए थे। वहां उसे भी कार में बैठाया और फिर पीटते हुए ही लालापुर ले गए। वहां हत्या के बाद शव बालू में दफना दिया।पति की हत्या की खबर सुनते ही पत्नी रेखा बेहोश हो गई। उधर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक तीन भाई बहनों में सबसे छोटा था। परिवार में पत्नी के अलावा बेटी मोनिका (6) और बेटा हार्दिक (4) साल का है। अन्य परिजन भी बिलखते रहे। जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जुटे रहे।

पेपर देकर घर लौट रहे छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के सौरा अनमोल ढाबा के पास सड़क दुर्घटना में एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। चंदौहा थाना सराय ईनायत निवासी रामनरेश वर्मा जो राजगिरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। सोमवार दोपहर उसका बेटा विशाल वर्मा उम्र 20 वर्ष व महेंद्र कुमार जो बीए प्रथम वर्ष का जग बंधन महाविद्यालय से परीक्षा देकर अपने घर के लिए जा रहा था। जैसे ही उतराव थाना क्षेत्र के सौरा अनमोल ढाबा के पास पहुंचा ही था कि सामने से आ रही तेज रफ्तार ई रिक्शा जो बिना नंबर प्लेट के थी जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें विशाल वर्मा उम्र 20 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वही उसके भाई महेंद्र को भी हल्की-फुल्की चोटे आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक सात भाई एक बहन में पांचवें नंबर पर है। मृतक विशाल की मौत से माता कलावती देवी समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पहले दिन इलाहाबाद सीट से कांग्रेस के उज्ज्वल रमण ने किया नामांकन, कई ने पर्चे खरीदे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव के छठवें चरण के मतदान के लिए सोमवार से नामांकन पत्र दाखिल करने का कार्य शुरू हो गया। पहले दिन इलाहाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी उज्जवू रमण सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वाहनों के लंबे काफिले और भारी समर्थकों के साथ कचहरी पहुंचे उज्ज्वल रमण सिंह ने रिटर्निंग अफिसर के समक्ष अपना पर्चा दाखिल किया।उज्ज्वल के सात सपा और कांग्रेस दोनों दलों के नेता मौजूद रहे। पहले दिन सिर्फ उज्ज्वल ने ही नामांकन पत्र दाखिल किया। पर्चा दाखिले को लेकर कलेक्ट्रेट पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। कांग्रेस के जिला शहर कमेटी के प्रवक्ता हसीब अहमद ने बताया की उज्जवल रमण सिंह ने तीन सेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान प्रस्तावक के तौर पर सपा से मेजा विधायक संदीप पटेल, पूर्व विधयाक हाजी परवेज अहमद, विधान परिषद सदस्य मान सिंह यादव मौजूद रहे। इसके अलावा कांग्रेस की ओर से अनुग्रह नारायण सिंह, प्रभारी मुकुंद तिवारी, जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन, फुजैल हाश्मी, हरिकेश त्रिपाठी, शेखर बहुगुणा, मनोज पासी साहित आदि नेता मौजूद रहें।

फूलपुर से 25, इलाहाबाद से 19 पर्चे बिके

लोकसभा चुनाव के लिए पहले दिन सिर्फ एक नामांकन इलाहाबाद संसदीय सीट के लिए उज्ज्वल रमण सिंह ने किया. इसके अलावा इलाहाबाद सीट के लिए 19 प्रत्याशियों ने पर्चा खरीदा। इसी तरह फूलपुर सीट के लिए 25 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे।

भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल होंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

भाजपा नेता कविता यादव त्रिपाठी ने बताया कि उनके पति नीरज त्रिपाठी व फूलपुर प्रत्याशी प्रवीण पटेल एक मई को नामांकन करेंगे। कविता के अनुसार नामांकन में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हो सकते हैं। वही,दूसरी ओर चर्चा इस बात की भी है कि नीरज के नामांकन में सांसद डॉ.रीता बहुगुणा जोशी एवं प्रवीन के नामांकन में सांसद केशरी देवी पटेल भी शामिल हो सकती है। अमरनाथ मौर्य के नामांकन को लेकर सपा मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर ने बताया कि सोमवार को उन्हें सिंबल मिल जाएगा। उसके बाद वह अपना नामांकन करेंगे।

न्यूज झरोखा

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का कलश यात्रा आज

मेजा। क्षेत्र के कुशालपुर गांव निवासी ब्रह्मदीन त्रिपाठी एवं उनकी पत्नी अनारकली के नेतृत्व में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 30 अप्रैल से किया गया है। उक्त आशय की जानकारी भागवत कथा के आयोजक ने देते हुए बताया कि यह ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम अन्तर्राष्टीय कथा व्यास जगतगुरू रामानंदाचार्य स्वामी बल्लभाचार्य महाराज के द्वारा संपन्न होगा जिसमें क्रमवार कथा सती ध्रुव एवं भरत चरित्र अजमिल ब्रह्मसुर चरित्र गजेन्द्र मोक्ष समुद्र मंथन रामावतार श्रीकृष्ण जन्मोत्सव माखन चोरी चीर हरण गोवर्धन धारण महाराज एवं कंसोद्धार विद्या अध्ययन उद्धव गोपी संवाद द्वारिका निर्माण एवं रुकमणी मंगल सुदामा चरित्र भागवत व्यास पूजन सुखदेव विदाई एवं हवन पूर्णाहुति के तत्पश्चात 7 मई को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल कुल गुरु आद्या प्रसाद पांडेय हरिकृष्ण त्रिपाठी मंजू त्रिपाठी श्रीकृष्ण त्रिपाठी बालकृष्ण त्रिपाठी रामकृष्ण त्रिपाठी तथा राजीव त्रिपाठी ने इस पुनीत अवसर पर क्षेत्र के सभी श्रद्धालु भक्तों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महाप्रसाद ग्रहण करने की अपील किया है।

नैनी छिवकी जंक्शन गेट के बाहर सरपत में अज्ञात कारणों से लगी आग

नैनी। नैनी छिवकी जंक्शन गेट के बाहर सोमवार शाम सरपत में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की सूचना पर पूरे परिसर समेत आसपास के इलाके अफरातफरी मच गई। इसी बीच यह भी अफवाह फैला गई कि जंक्शन के टिकट काउंटर में आग लग गई। हालांकि जंक्शन के गेट के बाहर स्थित सरपत में लगी आग को काफी प्रयास के बाद बुझाया गया।

संदिग्ध हालात में भूसे में लगी आग को दमकल ने बुझाया

मऊआइमा। मऊआइमा के ग्राम दुबाही में संदिग्ध हालात में मोहम्मद सिद्दीक और मोहम्मद वसी और नवाब अली पुत्र आशिक अली का खेत में रखा भूसा रहस्यमय ढंग से जलने लगा। बताया गया है कि ग्रामीण किसी तरह आग बुझा रहे थे कि दमकल की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नवाब अली ने गांव के एक युवक पर आग लगाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

दो वांछित चढ़े पुलिस के हत्थे

झूंसी। छतनाग चौकी इंचार्ज कपिल कुमार चहल ने सोमवार को दो लुटेरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए गुड़ाकेश शुक्ल उर्फ विधायक निवासी कौशांबी सराय अकिल नेवादा व अंकुश निवासी अल्लापुर को मुखबीत की सूचना पर समुद्रकुप पानी की टंकी के पास से गिफ्तार कर लूट का मोबाइल व नगदी बरामद किया गया।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत छात्र छात्राओं को दिया गया यातायात के प्रति प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत स्टूडेंट पुलिस कैडेड कार्यक्रम के अंतर्गत जीजीआईसी जसरा,सुरवा दलापुर मांडा,पूर्व माध्यमिक शंकरगढ़, कटरा,मुंगारी करछना तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय तिसेन मांडा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय खानपुर दांडी मांडा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मोहब्बत गंज चाका,परवेजा बाद जसरा,पूर्व उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय डीहा करछना में जागरूकता प्रभारी एवं मास्टर ट्रेनर पवन कुमार पांडेय द्वारा स्वयं उपस्थित रहकर यातयात प्रशिक्षण दिया गया एवं एसपीसी आच्छादित विद्यालयों में मास्टर ट्रेनर निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा प्रयागराज में लगातार किए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में उपस्थित छात्र,छात्राओं एवं शिक्षकों को सुरक्षित सड़क पर चलने के नियम गोल्डेन आवर, गुड़ सेमिरिटन ,एवं सड़क सुरक्षा के 10 स्वर्णिम सिद्धांत के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।जागरूकता प्रभारी पवन पाण्डेय द्वारा छात्राओं को जागरूक किए जाने हेतु स्लोगन भी दिया जिसमें - घायल को अस्पताल पहुचाएँ,बाद में फिर वीडियो बनाएं।

एवं मोबाइल से खतरा कब कब कब,हाथ मे हो गाड़ी जब जब जब।। इस अवसर पर यातायात टीम से सन्दीप शुक्ल,प्रदीप दुबे,नितीश शुक्ल व विद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे।

बेटी की सगाई में आया सी आर पी एफ के जवान को हार्टअटैक से मौत

मऊआइमा। बेटी की सगाई के लिए आए सी आर पी एफ के जवान का हार्ड अटैक से मौत हो गई।शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया गया है कि रविवार को मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम कखरीमातपुर निवासी राम कुमार 52 वर्ष पुत्र स्वर्गीय कडेदीन सी आर पी एफ जम्मू में तैनात है।बेटी की सगाई के लिए दस अप्रैल को गांव आया। जिसकी सगाई रविवार को ही थी।बताया गया है कि रविवार रात में सीआरपीएफ के जवान को सीने में तेज दर्द हुआ जिसे स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां रात ही में राम कुमार की मौत हो गई। सोमवार को मऊआइमा पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार में सभी का रो रो कर बुरा हाल है।

डिजिटल अरेस्ट कर 1.48 करोड़ की ठगी में आईपी कॉल का इस्तेमाल, इंटरनेट कॉल खंगालने में जुटी पुलिस

प्रयागराज। जार्जटाउन में डिजिटल अरेस्ट कर अफसर की पत्नी काकोली दासगुप्ता (68) से 1.48 करोड़ की ठगी में आईपी(वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) कॉल का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस अब उस आईपी एड्रेस को ट्रेस करने में जुटी है, जिसके जरिए यह कॉल की गई। साथ ही उस बैंक खाते की भी जानकारी जुटाई जा रही है, जिसमें रकम ट्रांसफर कराई गई।हाई प्रोफाइल मामला होने के चलते पुलिस भी तेजी से इस मामले के खुलासे में जुट गई है। फिलहाल हुई जांच पड़ताल में यह बात सामने आई है कि साइबर ठगों ने महिला से संपर्क करने के लिए नॉर्मल कॉल की जगह आईपी कॉल का इस्तेमाल किया। इस तरह की कॉल इंटरनेट के जरिए की जा सकती है और इसके लिए कॉल करने वाले के पास फोन का होना जरूरी नहीं है। फिलहाल पुलिस वह आईपी एड्रेस ट्रेस करने में जुटी है, जिस पर चल रहे इंटरनेट कनेक्शन से यह कॉल की गई।

उधर उन दो बैंक खातों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है, जिसमें महिला से रकम जमा करवाई गई। इनमें से एक खाता एसबीआई व दूसरा खाता यस बैंक का है। इन्हीं में से एक खाते में भेजी गई 40 लाख की रकम को तत्परता दिखाते हुए होल्ड करा दिया गया। यह खाते किन केवाईसी पर लिए गए, पुलिस उसका पता लगाने में जुटी है। बैंक से संपर्क कर यह भी पता लगाया जाएगा कि कहीं इन खातों से बाकी की रकम अन्य खातों में तो ट्रांसफर नहीं कराई गई। फिलहाल इस मामले में पुलिस अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। अफसरों का कहना है कि जांच की जा रही है।

पहले दिन नहीं हुआ कोई नामांकन, डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले में लोकसभा के चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है लेकिन आज पहले दिन कोई नामांकन नहीं हुआ। बता दें कि नामांकन स्थल जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिषद में बनाया गया है। नामांकन स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है।

जिलाधिकारी संजीव रंजन व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व एडिशनल एसपी पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह ने नामांकन स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये। नामांकन स्थल के आसपास की गतिविधियों पर नजर आए हुए दिखे नामांकन स्थल के काफी दूर तक सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारी पुलिस बल तैनात देखने को मिली।

फिलहाल नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन कोई भी नामांकन नहीं दाखिल हुआ। वहीं दूसरी और लोकसभा का चुनाव करने हेतु सदर ब्लॉक में बनाया गया है कंट्रोल रूम एवं मीडिया सटिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग सेल का डीएम संजीव रंजन एवं एसपी सतपाल अंतिल ने निरीक्षण करते हुए नामांकन प्रक्रिया में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बता दें कि लोकसभा के चुनाव को शांतिपूर्ण निष्पक्ष तरीके से सकुशल संपन्न कराने हेतु डीएम और एसपी ने एड़ी चोटी की जोर व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं।

नामांकन स्थल का निरीक्षण करते डीएम-एसपी।

आज होगी बसपा प्रत्याशी की औपचारिक घोषणा

प्रतापगढ़। आज 30 अप्रैल को प्रतापगढ़ संसदीय क्षेत्र के बसपा प्रत्याशी की घोषणा हो जाएगी। जानकार सूत्रों के अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी के पुत्र प्रथमेश सेनानी को बसपा का टिकट मिल गया है जिसकी औपचारिक घोषणा 30 अप्रैल को कर दी जाएगी। भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता द्वारा सवर्णों को महत्व न दिये जाने की चर्चा जोरों पर है जिसका फायदा बसपा प्रत्याशी उठा सकते हैं। वैसे भाजपा नेता इस बारे में अभी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

कुंडा में भोजवाल समाज के कार्यकारणी का हुआ गठन

सेवानिवृत्त डीआईजी हुए शामिल रहे, कृपा शंकर भोले बने ब्लॉक अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। वंदना पैलेस कुंडा में सजातीय भोजवाल समाज की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें रायबरेली, सुल्तानपुर, अमेठी, प्रयागराज, व कौशांबी क्षेत्र के सैकड़ो सजातीय भोजवाल समाज के लोग एकत्र हुए जिसमें निम्न पदाधिकारी का चयन किया गया जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष कृपा शंकर भोजवाल (भोला) जिला संरक्षक डॉ सज्जन लाल, हरिशंकर गुप्ता ब्लॉक सचिव शोभा गुप्ता रणजीत भोजवाल उप सचिव सौरभ भोजवाल कोषाध्यक्ष शुभम भोजवाल संतोष भोजवाल पुष्पा भोजवाल को उपाध्यक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई सभी पदाधिकारी को मनो नयन पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया। सुल्तानपुर से आए राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवानिवृत्ति डीआईजी एम आर गुप्ता भोजवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यनारायण भोजवाल की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ दिलाते हुए कहा कि भुजवा समाज अब अपने नाम के बाद भोजवाल सरनेम लगाएंगे। इस मौके पर राजेश भोजवाल, प्रवक्ता विजय भोजवाल उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष हरकेश भोजवाल, प्रचार मंत्री राकेश राजेश भोजवाल, जवाहरलाल भोजवाल, पूनम भोजवाल, मनीष देव भोजवाल, सचिन विजय कुमार भोजवाल, जिला अध्यक्ष रायबरेली अंजनी कुमार भोजवाल, जिला अध्यक्ष प्रतापगढ़ प्रदीप भोजवाल, व संदीप भोजवाल आदि लोग मौजूद रहे।

भोजवाल समाज के गठन पर मौजूद पदाधिकारीगण।

परीक्षा के दौरान उड़ाका दल ने मुन्ना भाई को पकड़ा, केन्द्राध्यक्ष ने दी तहरीर

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कालाकांकर प्रतापगढ़ मे 27 अप्रैल को बी.ए. वीआई सेमेस्टर की अंग्रेजी पेपर की परीक्षा दे रहे परीक्षार्थी सुनील कुमार मौर्य पुत्र श्यामलाल मौर्य अनुक्रमांक 2240461211497 की जगह बड़ा भाई सुशील कुमार मौर्य पुत्र श्यामलाल मौर्य डीएलएड तृतीय सेमेस्टर रजिस्ट्रेशन नम्बर 22760 14665 परीक्षा कक्ष मे परीक्षा देते हुए आंतरिक उड़ाका दल द्वारा पकड़ा गया उड़ाका दल के पकडे जाने पर विद्यालय परिसर मे हड़कंप मच गया मामले की जानकारी होने पर केंद्राध्यक्ष प्राचार्य शिवम श्रीवास्तव मौके पर पहुँचे और मामले की जाँच पड़ताल करने के बाद कालेज प्राचार्य शिवम श्रीवास्तव ने नवाबगंज पुलिस को अंग्रिम कारवाई करने की तहरीर दिया जिस पर थाना प्रभारी धीरेन्द्र ठाकुर ने आरोपी परीक्षार्थी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट की कारवाईं मे सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 6 व 10 तथा धारा 419 के तहत कारवाईं किया है। पुलिस जाँच पड़ताल मे जुटी हुई है।

लोकसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव: प्रमोद तिवारी

इस्लामिया इंटर कालेज रामपुर बजहा में हुई जनसभा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लोकसभा क्षेत्र-39 के अन्तर्गत विश्वनाथगंज विधानसभा के इस्लामिया इंटर कालेज रामपुर बजहा में विशाल जनसभा का आयोजन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा प्रमोद तिवारी व पूर्व मंत्री/विधायक इन्द्रजीत सरोज, विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव, डा. उमर हसन, पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुन्ना यादव रहे। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. एसपी सिंह पटेल पूर्व एमएलसी प्रत्याशी 39-लोकसभा रहे।

जनसभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र की ये चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव है ये देश को बचाने का चुनाव है हम सभी एकजुट होकर इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी के साथ जुट जायें और तब तक न रूके जब तक जीत सुनिश्चित न हो जाए क्षेत्र में जनता के बीच जाये लोगों को बतायें सत्ताधारी सरकार जन विरोधी है युवाओं के साथ रोजगार के नाम पर छलावा किया गया है महंगाई चरम पर है फ्री राशन के नाम पर लोगों को गुलाम बनाया जा रहा है शिक्षा का महंगी की जा रही है इलाज के नाम पर लोग दर दर भटक रहे हैं संविधान को खत्म की साज़िश की जा रही है। इण्डिया गठबंधन की सरकार बनने पर घोषणापत्र के अनुसार सभी वर्गों के लिए पहली बैठक में वादे पूरे किये जायेंगे। इस अवसर पर जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी, नीरज त्रिपाठी, इरफान खान, दिनेश उपाध्याय, एजाज अहमद अश्वनी सोनी, अहमद अली, जकी खान, प्रदीप यादव, वासिक खान, मनीष पाल, राजकुमार प्रजापति, सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

रामपुर बजहा में आयोजित जनसभा में मौजूद प्रमोद तिवारी व एसपी पटेल

अलग-अलग गांव में मारपीट के मामले में तीन घायल शिकायत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। अलग-अलग मार्केट के मामलों में तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया गया जिसमें प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। कोतवाली क्षेत्र के सोनबरसा गांव के रहने वाले मनोज कुमार यादव पुत्र जयनाथ यादव ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह एक बारात में गया हुआ था वहां से वापस लौटते समय सदहा बाजार के समीप गांव के ही कुछ लोगों ने रोक लिया और मारने पीटने लगे हल्ला गुहार मचाने पर किसी तरह जान बची मामले में प्रार्थना पत्र लेकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरी घटना में आशापुर गांव के रहने वाले हेमंत कुमार पुत्र राजकुमार ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि रविवार की देर रात बीरापुर बाजार से आ रहा था कि अभी वह आशापुर के जंगल पहुंचा था इसी बीच गांव के ही कुछ लोगों ने उसे रोक लिया बोला कि हमारे खाने-पीने के लिए क्या लिए हो पीड़ित ने मना किया तो उक्त लोगों ने उसे लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया और उसकी गाड़ी भी छतिग्रस्त कर दी और जाति सूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया पीड़ित ने मामले में प्रार्थना पत्र में आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

शक्ति नगर पूरे ईश्वर नाथ में बह रही कथा सरिता

कथा सरिता में गोता लगा रहे श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शक्ति नगर पूरे ईश्वर नाथ में चल रही श्रीमद भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य धर्मानंद महराज ने कल की कथा के क्रम को आगे बढ़ाते हुए ध्रुव चरित्र का व्याख्यान करते हुए कहा कि उत्तानपाद के वंश में ध्रुव की सौतेली मां सुरुचि के द्वारा अपमानित होने पर भी उसकी मां सुनीति ने धैर्य नहीं खोया जिससे एक बहुत बड़ा संकट टल गया।

परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है। भक्त ध्रुव द्वारा तपस्या कर श्रीहरि को प्रसन्न करने की कथा को सुनाते हुए बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है। भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है। कथा व्यास आचार्य धर्मानंद जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति अपने जीवन में जिस प्रकार के कर्म करता है उसी के अनुरूप उसे मृत्यु मिलती है। भगवदभक्त ध्रुव के सत्कर्मों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुव की साधना,उनके सत्कर्म तथा ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा के परिणाम स्वरूप ही उन्हें वैकुंठ लोक प्राप्त हुआ। कथा के दौरान महराज ने बताया कि संसार में जब-जब पाप बढ़ता है, भगवान धरती पर किसी न किसी रूप में अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि कलयुग में भी मनुष्य सतयुग में भगवान कृष्ण के सिखाए मार्ग का अनुसरण करे तो मनुष्य का जीवन सफल हो सकता है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि पाप के बाद कोई व्यक्ति नरकगामी हो, इसके लिए श्रीमद् भागवत में श्रेष्ठ उपाय प्रायश्चित बताया है। भागवत कथा के आज तीसरे दिन ध्रुव चरित अजमिल एवं प्रहलाद चरित्र के विस्तार पूर्वक वर्णन के साथ संगीतमय प्रवचन दिए कथा के साथ साथ भजन संगीत भी प्रस्तुत किए गए। साथ ही प्रतिदिन श्री भागवत महापुराण की आरती के बाद भजन कीर्तन आयोजन भी परिजनों व स्थानीय लोगों के द्वारा किया जा रहा है। आज की कथा में मुख्य यजमान श्रीमती लीलावती एवं श्री रामचन्द्र उपाध्याय के साथ ही सुनील, सुशील, बुलदीप, आशुतोष, अभिषेक, अतुल, अनुपम, संकटमोचन शिवम सुंदरम, सत्यम, कुंजूलाल, राजस, तेजस, डॉ सिमरन उपाध्याय व राजेश्वर प्रीतम उपस्थित रहे।

पूरे ईश्वरनाथ में कथा कहते आचार्य धर्मानंद महराज।

पूर्व सभासद ज्ञानेश बने नगर पालिका के ब्रांड एंबेसडर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की अपेक्षित लक्ष्य के साथ शत प्रतिशत प्राप्त करने के दृष्टिगत निश्चित दिशा निर्देश एवं नगर को साफ सुथरा बनाने के लिए, आम जनमानस के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 को सफल बनाने एवं प्रथम रैंकिंग प्राप्त करने के लिए नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह द्वारा अनुभवी ज्ञानेश मिश्रा, पूर्व सभासद मकंद्रूगंज वार्ड, वरिष्ठ अधिवक्ता को नगर पालिका बेल्हा प्रतापगढ़ का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। उनके चयन पर संतोष सिंह सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, स्वच्छ भारत मिशन के डीपीएम शुभम मिश्रा, लाल बहादुर एवं राजेश बिंद राजस्व निरीक्षक, सभापति अवर अभियंता, जल, प्रशांत सिंह अजीत कुमार शशांक श्रीवास्तव आदि ने बधाई दी है।

ज्ञानेश मिश्रा।

श्रीराम नाम संकीर्तन ही है भवसागर से मुक्ति मार्गः संजय कृष्ण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर क्षेत्र स्थित दिव्य धाम रामपुर भेड़ियानी में मानव कल्याण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित नौ दिवसीय सामूहिक भव्य श्रीराम कथा मे श्रद्धालुओं को श्रीराम नाम संकीर्तन में मंत्रमुग्ध देखा गया। कथावाचक संजय कृष्ण जी ने श्रीराम नाम महात्म पर प्रवचन करते हुए बताया कि राम नाम महामंत्र है। उन्होने कहा कि कलिकाल मे राम नाम संकीर्तन ही भवसागर से पार होने का सबसे सुगम मार्ग भी है। इस मौके पर शिवपवन दुबे, कृष्ण कुमार तिवारी, रमापति ओझा, रामलखन मिश्र, रविशंकर पांडेय, आशुतोष पाण्डेय, दिनेश मिश्र, राघव ओझा, पप्पू तिवारी, आशू शुक्ल, मयंक पाण्डेय, नीरज पाण्डेय आदि रहे।

मतदाता जागरुकता रैली में शामिल अधिकारीगण।

जीआईसी से निकल गई मतदाता जागरूकता रैली

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों के बच्चों की मतदाता जागरूकता रैली सोमवार को जीआईसी से निकाली गई। इस रैली को जीआईसी के प्रधानाचार्य कुल श्रेष्ठ तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवम खंड शिक्षा अधिकारी सदर शिव बहादुर मौर्या, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष शाह आलम, मंत्री राजेश कुमार सरोज, जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ रमाशंकर शुक्ला, जिला मंत्री विनय सिंह, नगर अध्यक्ष पर मनोज पांडे ए सदर अध्यक्ष प्रभाकर प्रताप सिंह, सत्य प्रकाश पांडेय, नीरज मिश्रा और जिले के तमाम शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

चोरी की बाइक बरामद, तीन आरोपी धराए

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियो को हिरासत मे लेकर सोमवार को न्यायालय भेज दिया। लालगंज कोतवाली चैक के समीप एक प्रतिष्ठान के सामने से रविवार को बाइक चोरी की घटना घटित हुई। पीडित लीलापुर थाना के फूलपुर निवासी अनिल वर्मा पुत्र जीतलाल की तहरीर पर देर रात पुलिस ने बाइक चोरी का केस दर्ज किया। घटनास्थल पर लगे सीसी फुटेज को पुलिस ने खंगाला। सोमवार की सुबह दरोगा दीपक यादव फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। भेभौरा तिराहे पर तीन युवक एक बाइक से पुलिस को देख भागने लगे। पुलिस ने आरोपियो को दौड़ाकर पकड़ लिया। पकडे गये आरोपी बाइक का कागजात नही दिखा सके। छानबीन करने पर बाइक चोरी की निकली। वहीं तलाशी लेने पर पुलिस को एक आरोपी के पास से पांच बम भी बरामद करने में सफलता मिली। पकडे गये आरोपी लालगंज कोतवाली के हिरऊ का पुरवा बेलहा निवासी राजेन्द्र मिश्र का पुत्र भानू उर्फ वेदप्रकाश तथा खजुरी निवासी रामसखा का पुत्र रवि एवं देवापुर निवासी श्यामकान्त उपाध्याय का पुत्र शिवबहादुर ने बाइक चोरी की घटना पुलिस के मुताबिक कबूल कर ली। आरोपी रवि के पास से देशी बम बरामद हुआ। पुलिस ने तीनों आरोपियो को बाइक चोरी तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत न्यायालय भेज दिया।

वाहन की टक्कर से मंदिर क्षतिग्रस्त, आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के धौराहरा हंडौर में प्राचीन हनुमान मन्दिर वाहन की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया। इसे लेकर गांव में तनाव का माहौल बन गया। ग्रामीणों का आरोप है कि मंदिर को एक वाहन से जानबूझकर टक्कर मारकर क्षति पहुंचायी गयी। लोगों में गुस्सा व्याप्त होने की जानकारी होते ही लीलापुर पुलिस आननफानन में मौके पर पहुंची।

मंदिर के पुर्ननिर्माण को लेकर हुआ समझौता

पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर माहौल को शांत कराया। एक पक्ष के द्वारा तहरीर भी सौपी गयी है। पुलिस आरोपी वाहन चालक को वाहन सहित थाने ले आयी। यहां पुलिस की मौजूदगी में वाहन स्वामी ने मंदिर के पुर्ननिर्माण कराए जाने को लेकर हामी भरी। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच मंदिर के पुर्ननिर्माण का सुलह समझौता कराया। इसके बाद ग्रामीण शांत हो सके। थाने पर हुई पंचायत के दौरान परशुराम सेना के मण्डल अध्यक्ष संजय शुक्ल, मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष निर्भय शुक्ल, पुजारी शिवेंद्र, अभय शुक्ल, देवेंद्र शुक्ल, आदि मौजूद रहे। मंदिर प्रबन्धन समिति से जुडे लोगों ने यह भी चेतावनी दी है कि समयबद्ध पुर्ननिर्माण न हुआ तो ग्रामीण धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

सदकर्म से ही मिलता है जीवन में सुखः आचार्य योगेश

लालगंज, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ क्षेत्र के नौढिया डेखा में हो रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भक्ति संगीत मे भी गोते लगाए। वहीं कथाव्यास करपात्री धाम से पधारे आचार्य योगेश जी महराज ने कहा कि अधर्म के सम्पूर्ण विनाश के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म का ध्वज धारण किया। उन्होनें कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन में मनुष्य को सदकर्म तथा सदनीति के नैतिक आचरण की प्रतिबद्धता का शाश्वत संदेश प्रदान किया। कथा के संयोजक राजाराम शुक्ल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। सह संयोजक प्रेम शुक्ल व लवलेश शुक्ल ने कथाव्यास का सारस्वत सम्मान किया। इस मौके पर पप्पू तिवारी, केशवदत्त पाण्डेय, आचार्य धीरेन्द्र कुमार तिवारी, आचार्य दीपमणि मिश्र, मनोज पाण्डेय, कृष्ण कुमार, विनोद कुमार पाण्डेय आदि रहे।

रंजिशन मारपीट की घटना में आरोपियो के खिलाफ गंभीर धाराओं में क्रास केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिशन दो पक्षों में हुई मारपीट में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ क्रास केस दर्ज किया है। उदयपुर थाना के राजापुर गांव में बीती चैबीस अप्रैल को पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट की घटना घटित हुई। एक पक्ष की पीडिता रामचंद्र मौर्या की पुत्री मंगला ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि घटना के दिन दोपहर वह अपने दरवाजे पर मौजूद थी।

तहरीर में कहा गया है कि पूरे केसई का पुरवा राजापुर निवासी प्रहलाद के पुत्र मंगरू गाली देते हुए उसके घर पर पत्थरबाजी करने लगे। पीड़िता का कहना है कि आरोपियो ने विरोध करने पर घर के अंदर लाठी डंडे व धारदार हथियारों से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पीडिता बेहोश हो गयी। तब पीड़िता की मां व बहन उसे छुडाने तो आरोपियो ने बहन व मां को भी मारापीटा और पांच हजार रूपये छीन लिये। दूसरे पक्ष की अर्चना यादव पुत्र मंगरू यादव ने भी घटना को लेकर तहरीर में आरोप लगाया है कि घटना के दिन वह बच्चों का खाना लेकर नलकूप जा रही थी। इस बीच राजापुर गांव की यशोदा, अभिषेक, नान, कोमल, मंगला ने एकराय होकर उसे घर में घुसकर लाठी डंडे व कुल्हाड़ी से मारापीटा। चोट अधिक लगने से पीड़िता बेहोश हो गयी। पुलिस ने दोनों पक्षों का सांगीपुर अस्पताल में इलाज करवाया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में क्रास केस दर्ज किया है।

युवती को भगा ले जाने के मामले में अमरगढ़ बाजार रही बंद

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अमरगढ़ इलाके से एक युवती को गैर समुदाय का एक युवक भाग ले गया है। जिसकी जानकारी होने पर अमरगढ़ बाजार के लोग रविवार को लव जेहाद का आरोप लगाते हुए बाजार को बंद रखा। आक्रोशित बाजार के लोग भारी संख्या में आसपुर देवसर थाना पहुंच गए। युवक की गिरफ्तारी और युवती की बारामती की मांग करने लगे। इस दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि गुप्ता बजरंग दल के विकास सिंह अपने कार्यकर्ताओं के साथ थाने पर पहुंच गए और कुछ देर पुलिस से तीखी नोक झोंक की। उन्होंने पुलिस को अल्टीमेटम दिया है कि यदि 24 घंटे के अंदर युवती बरामद नहीं होती तो वह लोग जनपद की कई अन्य बाजरे भी बंद करवाएंगे और उग्र प्रदर्शन करेंगे। थाना प्रभारी संतोष सिंह ने लोगों को समझा बूझकर किसी तरह से मामला शांत कराया। उन्होंने लोगों को बताया कि युवती के गायब होने के 30 घंटे बाद मुकदमा दर्ज कराया गया। तीन टीम लगातार इस मुकदमे में काम कर रही हैं। जल्द से जल्द युवती को बरामद किया जाएगा। इसके बाद लोगों का आक्रोश शांत हुआ और वापस लौट गए।

चोरी की घटना में उदयपुर पुलिस पर लीपापोती का आरोपी, एसपी से हुई शिकायत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्कूल में चोरी की घटना को लेकर उदयपुर पुलिस पर कार्रवाई न करने का पीड़ित ने आरोप लगाया है। पीड़ित ने एसपी को शिकायती पत्र देकर घटना को लेकर कार्रवाई की मांग उठाई है। उदयपुर थाना के रेहुआ लालगंज निवासी मो. उसमान के पुत्र मो. अमीन रेहुआ लालगंज में मदरसा उल अमीन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक है। एसपी को दिये गये शिकायती पत्र में शिकायतकर्ता ने कहा है कि बीती ग्यारह अप्रैल को स्कूल में बदमाशों ने ताला तोडकर चोरी की घटना अंजाम दी। घटना को लेकर पीडित ने थाने में तहरीर सौपी है। पुलिस ने संदिग्ध दशा में चार आरोपियों को पूछताछ के लिए हिरासत मे लिया। पीडित का कहना है कि बिना कार्रवाई किये उदयपुर पुलिस ने घटना के वीडियो फुटेज को नजरअंदाज कर आरोपियो को छोड दिया। पीडित के मुताबिक चोरी की घटना में पचास हजार का नुकसान हुआ है। पीडित ने एसपी को शिकायती पत्र देकर घटना की एफआईआर दर्ज कराने व खुलासे की मांग की है।

दुर्घटना को लेकर मारपीट का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के उदयपुर निवासी बबन सरोज के पुत्र योगेंद्र सरोज के दुर्घटना में घायल होने को लेकर अब पीडित पक्ष द्वारा आरोपियो द्वारा उसे मारने पीटने की तहरीर सौपी गयी है। बीती छब्बीस अप्रैल को हुई आमने सामने बाइक टक्कर में योगेन्द्र गंभीर रूप से चुटहिल हो गया। परिजन इलाज के लिए उसे अस्पताल ले गये। तहरीर में कहा गया है कि इलाज के दौरान होश में आने पर घायल ने परिजनों को बताया कि उसे रंजिशन पांच आरोपियो द्वारा बाइक रोकर मारापीटा गया था। बबन सरोज द्वारा पुलिस को मारपीट की तहरीर सौपी गयी। इस बाबत एसओ राधेबाबू का कहना है कि घटना के दिन की सूचना के आधार पर घायल के दुर्घटना में बाइक की टक्कर से घायल होने की परिजनों ने तहरीर दी थी। पुलिस ने केस दर्ज किया है। जांच जारी है तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, परिजनों में कोहराम

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली के अटसराय पुल के पास रेलवे ट्रैक के किनारे सर्विस लाइन पर एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटनाक्रम के मुताबिक संजीत कुमार उम्र 32 वर्ष पुत्र इंद्रबली निवासी अइमापुर शाखा थाना सैनी काफी समय से महाराष्ट्र के पुणे शहर में रहकर किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं आज सोमवार संजीत कुमार ने परिवार को सूचना दिया कि वह आ रहा है तो उसे लेने के लिए मोटरसाइकिल से चचेरा भाई मनजीत गया सैनी बस स्टॉप गया था वहां से दोनों युवक मोटरसाइकिल से रेलवे लाइन किनारे सर्विस लाइन पकड़कर अटसराय अंडर पुल के पास पहुंचे तभी अज्ञात कारण से मोटरसाइकिल पर बैठा संजीत अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया संजीत गंभीर घायल था मंजीत की सूचना से पहुंचे परिजन घायल संजीत को नजदीकी अस्पताल सिराथू ले गए लेकिन युवक की रास्ते में ही मौत हो गई सूचना पर अझुवा चौकी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है वहीं कमाऊ पूत की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

अधेड़ ट्रेन से टकराया , हुई दर्दनाक मौत

अझुवा कौशांबी। दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर धुमाई रेलवे फाटक से पश्चिम अप लाइन पर खंभा नंबर 890/21 के समीप आज सोमवार एक अधेड़ ट्रेन से टकरा गया जिसकी अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गई सूचना पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस ने शिनाख्त करवाने में जुट गई कुछेक देर बाद अधेड़ की शिनाख्त रामखेलावन उम्र 56 वर्ष पुत्र स्व पंचा निवासी शाखा थाना सैनी के रूप में हुई है मौके पर पहुंचे उसके पुत्र सुरेंद्र ने बताया कि उसका पिता रामखेलावन घर से करीब 1 बजे कानपुर जाने के लिए निकला था मृतक कानपुर शहर में पल्लेदारी का कार्य करता था मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मचा है।

राम वन गमन मार्ग की जमीन के अधिग्रहण में भुगतान नही किए जाने से युवक परेशान

कौशाम्बी। जिले में प्रशासनिक अनदेखी के चलते राम वन गमन मार्ग में पड़ने वाली जमीन के अधिग्रहण में लापवाही और भुगतान नही किए जाने से जमीन का मालिक परेशान है। शिकायत के बावजूद उसे मदद नहीं मिल पा रही है। जमीन के असली मालिक को ही उसकी जमीन का मुआवजा नही मिल पा रहा है, जिसके चलते वह परेशान है और अधिकारियों के कार्यालय के चक्कर लगा रहा है। मामला मंझनपुर तहसील क्षेत्र के हिनौता गांव का है, जहां राजीव रंजन मिश्रा ने अधिकारियो को शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि राम वन गमन मार्ग 731-अ के अन्तर्गत जो भूमि अधिकृत की गई है उक्त भूमि के अर्जन में भारी अनियमितता की गई है, जिसमें कर्मचारियो एवं अधिकारियों की मिलीभगत से अनियमितता की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसे सम्पत्ति का मालिकाना हक मिल गया है और उक्त परिसंपत्ति में किसी अन्य व्यक्ति का नाम अंकित कर दिया गया है, ऐसे उदारहरण के तौर पर भैया लाल गुप्ता पुत्र रामफल गुप्ता निवासी याम बड़ी अढौली क्षेत्र में भूमि है सम्पति का मुआवजा मिल गया है। जिसका गाटा संख्या 420 है और परसम्पत्ति का मुआवजा 419 के नाम से अंकित कर दिया गया है। इसी प्रकार से राजीव रंजन मिश्रा पुत्र स्वा0 श्री इन्द्रजीत मिश्रा निवासी हिनौता गाटा संख्या 423 है। संपत्ति का मुआवजा मिल गया है और उसी 423 का परिसंपत्ति किसी अन्य सक्ति के नाम अंकित कर दिया गया है। इस प्रकार से जनता को परेशानियों का समना करना पड़ रहा है। इस प्रकार से कई गांवों के व्यक्तियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत किए जाने के बावजूद कोई निस्तारण नहीं किया जा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिये शासन - प्रशासन से आग्रह हो कि इसका पुनः का निस्तारण किया जाय और न्याय किया जाए।

न्यूज झरोखा

डॉ मयंक केशरवानी को पूर्व विधायक ने किया सम्मानित

भरवारी कौशाम्बी। बृजेश मेमोरियल हॉस्पिटल भरवारी के डॉक्टर मयंक केसरवानी ने अस्पताल का संचालन बेहतर ढंग से कर इलाके में नाम और सोहरत पा लिया है डॉ मयंक केसरवानी का कहना है कि उत्कृष्ट कार्यों को करना उनकी पहली प्राथमिकता है कौशांबी की गरीब एवम निसाहाय मरीजो की बीमारियों को बहुत ही कम शुल्क के साथ ऑपरेशन करके गरीब जनता की बीमारियों को दूर करके उन्हें सुकून मिला है उन्होने कहा कि अपने स्वर्गवासी पिता डॉक्टर कमलेश के अधूरे सपने को पूर्ण करने का संकल्प लेते हुए भरवारी स्थित बृजेश मेमोरियल अस्पताल का नाम रोशन करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। बृजेश मेमोरियल अस्पताल भरवारी के डॉक्टर मयंक केसरवानी के इस सराहनीय कार्य के चलते चायल के पूर्व विधायक संजय गुप्ता द्वारा भरवारी में एक कार्यक्रम के दौरान डॉ मयंक केशरवानी को सम्मानित कर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और डॉक्टर मयंक केसवानी के बेहतर कार्य कुशलता की सराहना की इस अवसर पर नगर क्षेत्र के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

कौशाम्बी में सोमवार को कुल 11 लोगों ने खरीदे नामांकन पत्र

कौशाम्बी। लोकसभा सीट कौशाम्बी सुरक्षित से चुनाव लडने हेतु 26 अप्रैल से नामांकन पत्र की बिक्री कलेक्ट्रेट परिसर में जारी है,सोमवार को कुल 11 लोगो ने नामांकन पत्र खरीदे है,जिसके बाद अब तक कुल नामांकन पत्रों के खरीदे जाने की संख्या 25 हो गई है। सोमवार को बीएसपी प्रत्याशी के लिए एखलाख बाबू द्वारा शुभ नारायण के नाम से नामांकन पत्र लिया गया शैलेन्द्र कुमार पुत्र संतोष कुमार-निर्दलीय और मटरू लाल-निर्दलीय ने नामांकन पत्र खरीदा है राजेन्द्र सोनकर-बी०एम०पी० ने भी नामांकन पत्र खरीदा है मो0 शारूख द्वारा प्रतीक चन्द्रा निर्दलीय के नाम से नामांकन पत्र लिया गया राजीव कुमार

अब तक कुल 25 लोगो ने खरीदे नामांकन पत्र

द्वारा पुष्पेन्द्र सिंह निर्दलीय के नाम से नामांकन पत्र खरीदा गया है राजू द्वारा संजय कुमार निर्दलीय के नाम से नामांकन पत्र खरीदा गया है अजय कुमार द्वारा नरेन्द्र कुमार निर्दलीय के नाम से नामांकन पत्र लिया गया राजवंत सिंह द्वारा मंजू चन्द्रा निर्दलीय के नाम से नामांकन पत्र खरीदा गया है भैरवदीन निर्दलीय ने भी नामांकन पत्र खरीद कर लोकसभा में दावेदारी की है छेदू-निर्दलीय ने भी नामांकन पत्र खरीद कर लोकसभा क्षेत्र कौशांबी में दावेदारी की है।

महिला के बैंक खाते से ट्रांसफर धनराशि एक लाख 25 हजार साइबर थाना ने कराया वापस

कौशाम्बी। साइबर फ्रॉड की शिकार हुई महिला के बैंक खाते से ट्रांसफर हुई पूरी धनराशि 1,25000 वापस कराया है। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव से मिलकर महिला ने कौशाम्बी पुलिस को धन्यवाद कहा है। मामला सैनी कोतवाली क्षेत्र का है जहां की डा० प्रतिभा गुप्ता पुत्री कपूर चन्द्र गुप्ता ने एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव को शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदिका के अकाउण्ट से धोखाधड़ी कर 1,25,000 /- रुपये ट्रान्सफर कर लिये गये हैं।जिसमें एसपी ने साइबर थाना पुलिस को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था। इस क्रम में साइबर थाना द्वारा कुशलता व सक्रियता से कार्यवाही करते हुये 25.04.2024 को आवेदिका डा० प्रतिभा गुप्ता के अकाउण्ट से ट्रान्सफर कराई गई सम्पूर्ण धनराशि 1,25,000/-रू० आवेदिका के खाते में वापस करा दी गई है। धनराशि वापस होने पर आवेदिका ने पुलिस कार्यालय में उपस्थित होकर कौशाम्बी पुलिस व साइबर थाना टीम को धन्यवाद दिया है।

शार्टसर्किट से लगी आग चार लाख का जला सामान

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज क्षेत्र के ककोढा ग्राम में प्राथमिक विद्यालय के बगल में अरुण दीक्षित पुत्र जुग्गी लाल दीक्षित के घर में बिजली के खम्भे की शॉर्ट सर्किट से घर मे तेज आग लग गई है देखते-देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और घर का सामान जलने लगा अग्निकांड को देखकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पानी डालकर आग को बुझाना शुरू कर दिया घण्टो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका है मामले की सूचना थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गयी लेकिन आग की भयावह ने गृहस्वामी का जब सब कुछ लील लिया तब फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची है और औपचारिकता निभाने की शुरुआत कर दी अरुण दीक्षित के घर के बगल में बिजली का खंभा लगा हुआ है जिससे लगातार शॉर्ट सर्किट होता था घर के बगल में लगे बिजली के खंभे से उठने वाली चिंगारी को ठीक करने के लिए कई बार गृह स्वामी ने बिजली विभाग से फरियाद किया था

घर के बगल में लगे बिजली के खंभे से उठने वाली चिंगारी को ठीक करने के लिए कई बार गृह स्वामी ने बिजली विभाग से किया था निवेदन

लेकिन विभाग बिजली खंभे की कमी नहीं दूर कर सका जिसका खामियाजा गांव के किसान को भुगतना पड़ा है आखिर बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग के बाद किसान के लाखों रुपए के नुकसान की भरपाई क्या बिजली विभाग के अधिकारियों के वेतन से कराई जाएग विजली खम्भे की तार से शॉर्टसर्किट के बाद लगी आग से घर के अंदर रखे अनाज भूसा में आग लग गयी जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया अरुण दीक्षित गांव के दूसरे घर चला गया था जब तक वह मौके पर पहुंचा अग्निकांत की घटना में सब कुछ जलकर खाक हो गया बताया जाता है की घटना में एक मोटरसाइकिल जल गयी साथ-साथ लगभग 80 कुंतल गेहूं 250 झाल भूसा बर्तन कपड़ा और घर के अंदर रखा सब सामान जलकर खाक हो गया है आग लगने से दो मंजिला मकान भी नष्ट हो गया है परिवार के लोगों ने बताया कि इस अग्निकांड में उनका 4 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर खाक हो गया है।

शिक्षक को दबंगों ने बेरहमी से पीटा

कौशाम्बी। पिपरी थाना अंतर्गत तिल्हापुर मोड़ बाजार मे सब्जी लेने गये शिक्षक को सब्जी विक्रेता ने अपने साथियों के साथ मिलकर शिक्षक को बेरहमी से पीट दिया है जिससे शिक्षक को चोट आई है मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है जिस पर सब्जी विक्रेता और उसके साथी को पुलिस लेकर गई है लेकिन बाद में छोड़ दिया गया है जानकारी के मुताबिक सहायक अध्यापक के पद पर प्रायमरी बिद्यालय म्योहर मे कार्यरत बिजलेश केशरवानी निवासी सरांय अकिल इस समय झलवा प्रयागराज मे निजी मकान बनाकर रहते है दिनांक 29/04/2024 दिन सोमवार को म्योहर बिद्यालय से झलवा के लिये जा रहे थे कि पिपरी थाना अंतर्गत तिल्हापुर मोड़ बाजार मे सब्जी लेने के लिये वह गये वहां बिजय प्रजापती पुत्र बैजनाथ निवासी मखऊपुर सब्जी बिक्रेता के पास पहुंचने पर प्याज का रेट जयादा समझ मे आया तो अध्यापक बिजलेश चल दिए जिसपर सब्जी बिक्रेता बिजय ने गाली देते हुये आधा किलो बाट से खीचकर अध्यापक को मारा अपने आपको बचाते हुये अध्यापक ने बिरोध किया इतने मे बिजय ने फोन द्वारा जयसिंह पटेल पुत्र स्व०अमरसिंह निवासी पेरई व दो अनय साथियों को बुला लिया वहां आने पर जयसिंह पटेल दबंग व मनबढ़ है आते ही शिक्षक को बेल्ट से जमकर मारा पीटा व दोनो साथी ने यह कहा कि जाओ नही तो तुम्हारी लाश पहचान मे नही आयेगी तब तक काफी लोग इकट्ठा हो गये तब सभी मारपीट कर भाग गये अध्यापक ने डायल 112 पर सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने सब्जी बिक्रेता को पकड़कर थाने ले गई फिर समझा बुझाकर छोड़ दिया अध्यापक ने तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है खबर लिखे जाने तक पुलिस ने हमलावरों पर कार्यवाही नही किया है।

सांसद विनोद सोनकर के माफी मांगने के बाद कितने मतदाता माफ करेंगे यह तो समय बताएगा

नाराज मतदाताओ से बार बार माफी मांग कर 2019 का चुनाव जीतने के बाद लगातार करते रहे नुकसान का प्रयास

कौशाम्बी लोकसभा चुनाव 2023 में अपनी पराजय देखकर सांसद विनोद सोनकर ने मतदाताओं से माफी मांगना शुरू कर दिया है उनका कहना है कि उनकी बातों से किसी को ठेस लगी हो तो वह सार्वजनिक तरीके से माफी मांगते हैं 2014 के चुनाव के बाद की गई गलतियों के चलते 2019 के चुनाव में भी मतदाता नाराज थे जिस पर इन्होंने लोगों से बार बार माफी मांग कर 2019 का चुनाव भी जीता था लोगों को उम्मीद थी कि अब सांसद विनोद सोनकर अपने स्वभाव में परिवर्तन करेंगे लेकिन चुनाव जीतने के बाद उनका स्वभाव परिवर्तित नहीं हो सका 2019 के चुनाव को जीतने के बाद 5 वर्ष तक लगातार यह मन में लोगो के प्रति नफरत भरे रहे और लोगों का नुकसान करने का भरसक प्रयास करते रहे अब एक बार फिर बीते दिनों की गई गलतियों को लेकर 2024 के चुनाव में मतदाताओं से माफी मांग रहे है लेकिन सांसद विनोद सोनकर के माफी मांगने के बाद कितने मतदाता माफ करेंगे यह तो समय बताएगा सांसद विनोद सोनकर ने वायरल वीडियो के बाद भरे समाज में मंच से माफी मांगी कहा मुझसे कोई गलती हुई हो तो सभी प्रबुद्धजन माफ करे, कौशाम्बी क्षेत्र से दो बार सांसद रह चुके और वर्तमान में भाजपा से एक बार फिर प्रत्याशी बनाए जाने के गुमान में सांसद विनोद सोनकर का ब्राह्मण,क्षत्रिय और वैश्य को सैय्यद, पठान और अंसारी कहने का वीडियो वायरल हुआ था।जिससे इन समाज में बहुत अधिक आक्रोश था।जिसको लेकर सांसद विनोद सोनकर ने रविवार को आयोजित बूथ सम्मलेन में खुले मंच से सभी प्रबुद्धजनो से हाथ जोड़कर माफी मांगी है।विनोद सोनकर ने मंच से कहा कि यदि मेरी किसी बात से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं सभी प्रबुद्धजनों से हाथ जोड़कर माफी मांगता हु।मुझे माफ करे।इस दौरान मंच पर यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी मौजूद रहे। यह वीडियो फिर वायरल हो रहा है।

कौशाम्बी सांसद के लापता होने और विधायक के गुमशुदा होने के चलते चुनाव का बहिष्कार करने का पोस्टर वायरल

कौशाम्बी। जिले में भाजपा सांसद विनोद सोनकर के लापता होने और सपा विधायक इंद्रजीत सरोज के गुमशुदा होने के चलते चुनाव का बहिष्कार करने के पोस्टर वायरल हो रहे है,सांसद के लापता होने का पोस्टर वायरल होने और लोकसभा चुनाव का बहिष्कार किए जाने की सूचना से प्रशासनिक व्यवस्था और राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मचा हुआ है। विकास कार्यों से नाराज ग्रामीणों ने 5 वर्षों से सांसद विनोद सोनकर के लापता होने और विधायक इंद्रजीत सरोज के गुमशुदा होने के पोस्टर गांव में लगा दिए है।इसकी सूचना जैसे ही प्रशासनिक अधिकारियों को मिली तो वह गांव की तरफ दौड़े और ग्रामीणों को चुनाव का बहिष्कार नही करने के लिए मनाने में जुट गए है। वही ग्रामीणों का आरोप है कि कनैली से भखंदा रोड आज तक नही बनाई गई,कई बार सांसद और विधायक से कहा गया लेकिन कोई सुनवाई नही कर रहा है,और अब जब लोकसभा का चुनाव आया है तो फिर वही सांसद और विधायक वोट मांगने के लिए निकल पड़े है,लेकिन विकास कार्य करने के लिए नही आते है,जिसके लिए ग्रामीणों ने पोस्टर लगा दिया है कि ह्नरोड नही तो वोट नहीं।

चोरी की दो बाइक, अवैध तमंचे और कारतूस के साथ दो शातिर भेजे गए जेल

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बाइक चोरी करने वाले गिरोह के दो वांछित सदस्यों अमित कुमार पुत्र गुलाब चन्द्र निवासी बड़ा गढ़वा थाना व जनपद कौशाम्बी और अमरनाथ पुत्र मोहन लाल निवासी खरका फकीराबाद थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को फकीराबाद पावर हाउस तिराहा के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी हुई बाइक के संबंध में दर्ज मु0अ0सं0 155/24 धारा 379 भादवि से सम्बन्धित चोरी की मोटरसाइकिल स्प्लेंडर वाहन संख्या वढ 73 3196 के साथ गिरफ्तार किया है, शातिर के पास से पुलिस को 01 अवैध तमचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर तथा 01 तमंचा 12 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया है पुलिस ने अभियुक्तों की निशादेही पर मु0अ0सं0 147/24 धारा 379 भादवि से सम्बन्धित 01 मोटर साइकिल स्प्लेंडर वाहन संख्या वढ 73 ख 9176 बरामद किया है। पुलिस ने विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा जहा से उन्हे जेल भेज दिया गया

बाबा मलूक दास की 450 वीं जयंती गई मनाई

कौशांबी सन्त शिरोमणि बाबा मलूकदास जी महाराज की 450 वीं जयंती सोमवार को कड़ा धाम स्थित आश्रम में मनाई गई। गैर प्रांतों से आए अनुयायियों ने विधि विधान से पूजा की। इसके बाद उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संत मलूकदास जी महाराज कड़ा धाम के ही रहने वाले थे। उनका कड़ा धाम में आश्रम भी बना हुआ है। उनके समाधि स्थल पर प्रतिनिधि गैर जनपद व प्रांत के लोग पूजा पाठ के लिए आते हैं। सोमवार को बाबा मलूकदास जी महाराज की जयंती मनाई गई। जयंती के मौके पर दिल्ली, जयपुर के अलावा अन्य प्रांतों से उनके भक्त आए थे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विधि विधान से पूजा पाठ की। इसके बाद श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही आश्रम की व्यवस्था को देखा। कार्यक्रम की शुरूआत संत मलूकदास जी महाराज की प्रतिमा पर मालर्पण व समाधि स्थल की पूजा-आरती से हुई। कार्यक्रम के बाद आश्रम में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमे सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जयंती के अवसर पर देर शाम आश्रम में भव्य आरती की गयी और आश्रम को दीपों से सजाया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम अध्यक्षा रागिनी देवी, चेयरमैन प्रतिनिधि अरुण केशरवानी, अजय सेठी, सुधीर नरूला, रेनू सेठी, मंजू कोहली, सुहानी सेठी, ईशा कोहली, हिमांशी कोहली, शिवाकांत पांडेय, गणेश केशरवानी, उमेश पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग नियन्त्रण एवं दस्तक अभियान के संचालन के लिए अन्तर्विभागीय बैठक

कौशाम्बी सीएमओ डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में सीएमओ सभागार में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण एवं दस्तक अभियान के सफल संचालन के लिए अन्त र्विभागीय साप्ताहिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि झाड़ियों की कटाई में अपेक्षित प्रगति नही हुई है,जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी से कहा कि झाड़ियों की कटाई में प्रगति लायी जाय तथा आमजन को चूहा-छछूंदर से फैलने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया जाय। उन्हांने सभी ई0ओ0 एवं जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि नियमित रूप से साफ-सफाई करायी जाय। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि बड़े सुअर पालकों के साथ ही छोटे सुअर पालकों को भी संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाय। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि आगामी संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए पहले से ही कार्ययोजना बना लिया जाय।

संतोष कुमार जैन ने भूमिधरी जमीन मंदिर को दिया दान

कौशांबी। नगर पंचायत सराय अकिल कस्बे में पटेल चौराहा स्थित संतोष कुमार जैन उर्फ़ पप्पू जैन ने अपनी भूमिधरी जमीन को मंदिर के नाम दान दिया आज सोमवार को भगवान महावीर स्वामी के मंदिर के लिए जमीन पर पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया सराय अकिल कस्बे में जैन समुदाय के लोगो ने भगवान महावीर स्वामी का मंदिर बनाने के लिए 29 अप्रैल सोमवार को प्रातः मंगलाष्टक देवा आज्ञा अभिषेक शांति धारा नित्य पूजन विधान तक पश्चात शिलान्यास क्रियाएं संपन्न किया शिलान्यास में नगर पंचायत सराय अकिल की समस्त जनता उपस्थित रही लोगों को जलपान कराया गया सकल दिगंबर जैन समाज के माताएं बहन बुजुर्ग आदि लोग शामिल रहे पंडित प्रदीप शास्त्री ने ललितपुर से आकर पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कराई इस दौरान जगदीश प्रसाद जैन अरिहंत कुमार जैन अध्यक्ष रविन्द्र कुमार जैन सतीश जैन विजय कुमार जैन मोनू जैन सोनू जैन अनूप कुमार जैन सामुदायिक केंद्र के रिटायर्ड कर्मचारी विजय जैन बनारसी जैन रितेश जैन डॉक्टर महावीर कुमार जैन बसंत कुमार जैन आशीष कुमार जैन एवम अन्य जैन समाज के लोगो ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

ना डिग्री ना अनुभव इलाज के नाम पर मरीजों को देते हैं मौत

अखंड भारत संदेश

गलत तरीके से चल रहे आदर्श अस्पताल के खिलाफ सीएमओ ने दर्ज कराया मुकदमा

कोखराज कौशांबी गलत तरीके से अस्पतालों के संचालक को लेकर हिन्द प्रकाश मणि उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कोखराज थानेदार को शिकायती पत्र देकर बताया कि आदर्श पाली क्लीनिक अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहा है उन्होंने बताया कि जो स्वास्थ्य नियमों के विपरीत है उन्होंने कोखराज थानेदार को बताया कि आदर्श पाली क्लीनिक अस्पताल का संचालन जयचंद पुत्र बज्रलाल नादिरगंज छितापुर थाना संदीपन घाट द्वारा किया जा रहा है स्वास्थ्य विभाग से तहरीर मिलने के बाद थाना पुलिस ने धोखा धड़ी सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में अस्पताल संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है आरोपी अस्पताल में ताला बंद करके फरार हो गया है।

कौशांबी। चरवा क्षेत्र में गलत तरीके से अस्पताल संचालक की खबर प्रकाशन से भन्नाए संचालक ने नर्स का सहारा लेना शुरू कर दिया है जिस पत्रकार को अस्पताल संचालक पहचानता नहीं है उससे कभी बात नहीं किया है वह अस्पताल संचालक नर्स को मोहरा बनाकर पत्रकार की खबर रुकवा देना चाहता है जबकि अस्पताल में ड्यूटी देने वाली नर्स के पास भी योग्यता नहीं है आखिर क्यो अस्पताल में बिना योग्यता के नर्स से ड्यूटी ली जा रही है अस्पताल में मरीज की मौत होने के बाद उनका लेखा-जोखा भी नहीं रखा जाता है रजिस्टर गायब कर दिए जाते हैं मामला गंभीर है और मामले को यदि डिप्टी सीएम ने संज्ञान लिया तो अस्पताल संचालक पर मुकदमा दर्ज होना तय है सीएमओ के नाम से वसूली करने वाले लोगों को चिन्हित किए जाने की जरूरत है लेकिन व्यवस्था के जिम्मेदार व्यवस्था सुधारने के लिए तैयार नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। चायल तहसील क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत चरवा में एक दर्जन से अधिक क्लीनिक व अस्पताल अवैध तरीके से संचालित हो रहा है अस्पताल में योग्य डॉक्टर नहीं अस्पताल में योग्य नर्स नहीं अस्पताल में योग्य फार्मासिस्ट नहीं है उसके बाद अस्पताल में बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर का भी संचालन हो रहा है एनजीटी के नियमों को अस्पताल पालन नहीं कर रहा है फिर भी गलत तरीके से अस्पताल के संचालन की आड़ में मरीज का इलाज कर संचालक धन वसूली कर रहा है जिससे मरीजों का मर्ज ठीक होने के बजाए बढ़ जाता है और कथित डॉक्टर कथित नर्स के अनुभवहीनता के चलते मरीजों की मौत हो गयी है जिसकी खबर समाचार पत्र में प्रकाशित की गई जिससे भन्नाए अस्पताल मालिक ने पत्रकार को जान से मार देने की धमकी दी हैं और इतने में इनका पेट नहीं भरता तो जाति पूछ पूछ कर गाली गलौज किया हैं कौशांबी जिले में कहीं पत्रकार के साथ मारपीट होती हैं तो कही कही जाति पूछ कर गाली गलौज देते हैं नगर पंचायत चरवा में एक दर्जन से अधिक क्लीनिक अस्पताल गलत तरीके से चल रही है जिसमे कुछ कक्षा आठ पास है और हाई स्कूल के बच्चो को रख कर इलाज करते हैं और अपने आप को बी फार्मा डाक्टर कहते हैं गलत इलाज के चलते कई बार अस्पतालों में मरीज की बेवजह मौत भी हो चुकी है जब भी कोई मरीज मौत के मुंह में जाने लगता हैं तो उसे अपने यहां से मझनपुर या प्रयागराज रेफर कर कमीशन वसूलते हैं आखिर गलत तरीके से संचालित अस्पतालों पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं उनके ऊपर किसका दबाव है गलत अस्पतालों के संचालक पर कार्रवाई न होने से पूरे स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक चायल तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत चरवा में एक दर्जन से अधिक क्लीनिक वा अस्पताल नियम बिरुद्ध चल रही हैं जिसकी खबर अखंड भारत संदेश अखबार ने प्रकाशित किया है खबर पढ़ कर आदर्श क्लीनिक का संचालक भन्ना गया बड़े बड़े बोर्ड लगाकर आधा दर्जन से अधिक अस्पताल का संचालन किया जा रहा है जहां योग्य चिकित्सक नहीं है योग्य नर्स नहीं है मरीज को जिंदगी देने के बजाए मौत दे रहे हैं खबर से भन्नाए संचालक ने पत्रकार रजनीश कुमार सरोज को गाली गलौज कर जान से मार डालने की धमकी दी और पत्रकार को जाति सूचक शब्द से अपमानित किया हैं यहां तक कि मेडिकल स्टोर के नाम पर अंदर बेड लगा कर बड़े से बड़े आपरेशन करने को भी अस्पताल संचालक तैयार है गलत तरीके से अस्पताल संचालक की जांच कराए जाने और अस्पताल संचालक पर मुकदमा दर्ज कराकर उसकी गिरफ्तारी कराए जाने की मांग की गई है।

संपादक की कलम से

आखिर कब तक मजबूर रहेगा मजदूर

श्रमिक अपना श्रम बेचकर न्यूनतम वेतन प्राप्त करता है। यही कारण है कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसलिए यह दिन अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए है। इस प्रकार, यह समाज में उनके योगदान की सराहना करने और उसे पहचानने का एक विशेष दिन हैं। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है। मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2024 की थीम है सामाजिक न्याय और सभी के लिए सभ्य कार्य। इसके अलावा भी कई बिंदुओं को रखा गया है। इस थीम का उद्देश है मजदूरों की गरिमा का ख्याल रखना और उन्हें शांतिपूर्ण कामकाजी वातावरण प्रदान करना। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने ह्यकाम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था। मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है। भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं। बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

अब हिन्दी नामों के साथ भारत में उड़ेंगी तितलियां

हिंदी की शक्ति और मुक्ति के रास्तेहिंदी एक भाषा नहीं– एक संस्कार, एक जीवन शैली है भारत में अंग्रेजों के जमाने में तितलियों के नाम भी अंग्रेजी में ही रखे गए थे. लेकिन अब 'राष्ट्रीय तितली नामकरण सभा' ने तितलियों के नाम हिन्दी में रखने की पहल की है.

विश्व भर में तितलियों की 15 हजार से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं. वहीं, भारत में 1,400 से अधिक तितलियों की प्रजातियां हैं. इन तितलियों में एक नाखून से भी छोटे आकार की 'ग्रास ज्वेल' (ग्रास ज्वेल) और 150 मीटर से अधिक पंख फैलाने वाली हारगोली जटायु' (गोल्डन बर्डविंग) तक शामिल हैं.

भारत में तितलियों की खोज अंग्रेजों के जमाने में शुरु हुई थी. तब उनके नाम भी अंग्रेजी में रखे गए थे. लेकिन अब हिन्दी में तितलियों के नाम रखने को लेकर जुलाई 2023 में ह्यराष्ट्रीय तितली नामकरण सभा' का गठन किया गया है. इस सभा में वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, प्रकृति प्रेमी, भाषा विशेषज्ञ, वनाधिकारी समेत कई अन्य सदस्य शामिल हैं.

सभा में शामिल सदस्य देश के अलग अलग हिस्सों से जुड़े हुए हैं. प्रोफेसर कृष्णमेघ कुंटे, धारा टक्कर और रूपक डे के साथ इसमें नेशनल बटरफ्लाई क्लब मुंबई के सचिव दिवाकर थोंबे, स्प्राउट्स संस्था मुंबई के सीईओ आनंद पेंढारकर, हिन्दी भाषा विशेषज्ञ और झारखंड तितली समूह के संस्थापक मनीष कुमार, उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम के मैनेजर रतींद्र पांडे और देहरादून स्थित दून नेचर वॉक के विशेषज्ञ राहुल काला शामिल हैं.

पारिस्थितिकी तंत्र का अहम हिस्सा हैं तितलियां

बहुत ही छोटे जीवनकाल वाली तितलियां पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य चक्र में एक विशेष भूमिका निभाती है. झारखंड में नेचुरल ज्वेल्स संस्था की संस्थापक और पर्यावरणविद धारा टक्कर ने डीडब्ल्यू को बताया, "जैव विविधता में तितलियां बड़ी भूमिका निभाती है. सामान्य तौर पर जिस जगह पर तितलियां नहीं होती वहां का पर्यावरण अच्छा नहीं माना जाता. कंक्रीट के जंगलों के बीच भी यदि एक हरा भरा वातावरण है तो वहां तितलियां अपने आप ही आने लगती हैं. साथ ही तितलियां हवा, पानी और मिट्टी तीनों को शुद्ध करती हैं."

वह आगे बताती हैं, "आम जनमानस के बीच तितलियों को लेकर जागरूकता की कमी है. ऐसे में आसान भाषा में तितलियों के हिन्दी नाम रखे गए हैं ताकि लोग भी इनके संरक्षण में कुछ योगदान दे सकें.द्व

केवल उत्तर प्रदेश में ही तितलियों की 200 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं. उत्तर प्रदेश के पूर्व वनाधिकारी रूपक डे ने डीडब्ल्यू को बताया, "पिछले छह महीनों में सभा के सदस्यों ने मिलकर हिन्दी में भारतीय तितलियों के नाम रखने के लिए उनके वैज्ञानिक और अंग्रेजी नाम, उनकी विशेषताएं, व्यवहार और अन्य पहलुओं पर विमर्श किया ताकि उनके आसान नाम रखे जा सकें.

तितलियों के नाम ऐसे रखे गए हैं जिन्हें याद करना आसान हो, जो अंग्रेजी नाम का सिर्फ अनुवाद न हो बल्कि स्थानीय संस्कृति के अनुरूप हो. इसके लिए प्रजातियों की रुपात्मक विशेषताओं के साथ उनकी उड़ान, व्यवहार, मेजबान पौधों और प्रजातियों के कैटरपिलर आदि पर आधारित नाम भी रखे गए हैं.

रामायण के किरदारों की भूमिका

बेंगलुरु स्थित नैशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज में एसोसिएट प्रोफेसर कृष्णमेघ कुंटे ने डीडब्ल्यू को बताया, "तितलियों के नाम रखने में रामायण के विभिन्न किरदारों की भी भूमिका रही है. रावण के दरबार में अंगद के पैर को कोई नहीं हिला पाया था. उसी के आधार पर गोल्डन एंगल प्रजाति की तितली का नाम अंगद रखा गया है क्योंकि यह अपने मूल स्थान से जल्दी विस्थापित नहीं होती. उनकी प्रजातियों में स्पॉटेड एंगल का नाम हावितीदार अंगद', एलिदा एंगल का नाम ह्यअलिदा अंगद', ब्लैक एंगल का नाम ह्यकृष्ण प्रताल' और गोल्डन एंगल का नाम हासुनहरा अंगद' रखा गया है.द्व

इसी तरह बड़े पंखों वाली बर्डविंग तितली का नाम जटायु के नाम पर रखा गया है. कॉमन बर्डविंग का नाम हाबिंदी जटायु', गोल्डन बर्डविंग का नाम हारगोली जटायु' और सह्याद्री बर्डविंग का नाम हासह्याद्री जटायु' रखा गया है.

मंगलसूत्र के बाद राजा-महाराजा की फिक्र

@ राकेश अचल

आप यकीन मानिये कि मै देश के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का सबसे बड़ा भक्त हूँ, लेकिन अंधभक्त नहीं, क्योंकि मेरी दोनों आँखें अभी काम कर रहीं है। मै जब तक प्रात;स्मरणीय मोदी जी वंदना न कर लूं मुझे चैन नहीं पड़ता। मोदी जी के अंधभक्त इसे मेरा मनोविकार मानते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। सचमुच मोदी जी जैसा अद्भुत नेता न अतीत में कभी हुआ हुई और न शायद भविष्य में कभी हो। मोदी जी में दशावतारों के सभी लक्षण मौजूद हैं।

मोदी जी अठारहवीं लोकसभा के चुनाव प्रचार में अपनी गारंटियों के साथ उपस्थित हुए थे। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का डंका पीटने के बजाय सीधे-सीधे मोदी जी की गारंटियां जनता के सामने रखीं थी। अपनी पार्टी के लिए 370 और अपने गठबंधन के लिए 400 पार का लक्ष्य भी रखा था। भाजपा के सभी लोकसभा प्रत्याशियों के नाम अलग थे किन्तु चेहरा एक था और वे चेहरा था मोदी जी का। मोदी जी ने अपना 56 इंच का सीना ठोंक कर पहले ही कहा था कि वे तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। मोदी जी की राजहठ के सामने पूरे देश को झुकना चाहिए था। देश शायद झुकता भी किन्तु इन विपक्षी दलों ने सब कुछ मटियामेट कर दिया।

चुनाव के पहले चरण में ही मतदान के बाद मोदी जी अपनी गारंटियों और 400 पार के लक्ष्य को तिलांजलि दे दी। मोदी जी ने देश की महिलाओं के सामने उनके मंगलसूत्र के खतरे की बात पुख्तगी के साथ रखा। मोदी जी के राज में पहले हिन्दू , बाद में सनातन खतरे में पड़ा और अब अचानक देश की महिलाओं के मंगलसूत्र पर खतरा मंडराने लगा। मोदी जी ने ईमानदारी से अपने अंधभक्तों के साथ ही दीगर प्रशंसकों को साफ-साफ बता दिया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आयी तो हिन्दू महिलाओं का मंगलसूत्र छीन लिया जाएगा मोदी जी का मंगलसूत्र प्रेम देखकर देश की महिलाओं के साथ-साथ श्रीमती मोदी भी खुश हो गयीं, क्योंकि वे तो मानकर चल रहीं थीं की मोदी जी को मंगलसूत्र के बारे में कुछ माहिती है ही नहीं। हकीकत भी है कि माननीय मोदी जी ने इससे पहले सार्वजनिक जीवन में रहते हुए न अपनी पत्नी के मंगल सूत्र की बात कभी की थी और न देश की महिलाओं के मंगलसूत्र की।

सवाल ये है कि पहले चरण के मतदान के बाद ही माननीय मोदी जी ने कैसे मान लिया की कांग्रेस सत्ता में आ रही है ? मेरे हिसाब से कांग्रेस का मोदी जी के रहते सत्ता में वापस लौटना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी जी इस बारे में मुझसे ज्यादा जानते हैं। देश की महिलाये अपने-अपने मंगलसूत्र को लॉकर्स में रखने के बारे में सोच ही रहीं थीं कि दूसरे चरण का मतदान भी हो गया। इसके बाद न जाने क्या हुआ की माननीय मोदी जी ने मंगलसूत्र की रक्षा को भी तिलांजलि दे दी और अचानक कहने लगे की देश की जनता पर विरासत कर लगा दिया जायेगा, बाशर्त की कांग्रेस सत्ता में आयी।

मुझे हैरानी है कि माननीय मोदी जी खुद और अपनी पार्टी को किसी एक केंद्रीय मुद्दे पर क्यों नहीं ठहरने दे रहे। इससे पहले की विरासत कर के बारे में मतदाता जान पाता कि मोदी जी ने उसे भी तिलांजलि दे दी और तीसरे चरण के मतदान के ठीक पहले कांग्रेस द्वारा देश के राजाओं-महाराजाओं के अपमान का मुद्दा पेश कर दिया है माननीय मोदी जी ने कर्नाटक में आधा दर्जन आम चुनावी सभाओं में जोर देकर कहा कि कांग्रेस के शहजादे को हमारे राजा-महाराजाओं के योगदान याद नहीं आते। ये वोटबैंक की राजनीति के लिए राजा-महाराजाओं के खिलाफ बोलने की हिम्मत करते हैं और नवाबों, बादशाहों और सुल्तानों के खिलाफ एक शब्द बोलने की ताकत नहीं है। कांग्रेस को देश की उपलब्धियां अच्छी नहीं लगती। कोरोना वैक्सीन पर भी सवाल उठाए थे।

मोदी जी के राजा-महाराजा प्रेम से मै भी वाकिफ नहीं था। वो तो पिछले दिनों माननीय मोदी जी ने खुद ग्वालियर आकर इसका मुजाहिरा किया। उन्होंने हमारे ग्वालियर के तेजस्वी महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपना दामाद बताया, क्योंकि सिंधिया की पत्नी गुजरात के बड़ोदरा महाराज की बेटी और अब ग्वालियर कि महारानी हैं। आपको बता दूँ कि मोदी जी की ही पार्टी ने उनके धर्म दामाद ज्योतिरादित्य सिंधिया को 2019 के आम चुनाव में गुना सीट से हरा दिया था। लेकिन मोदी जी ने 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा में शामिल करा कर अपने और अपनी पार्टी के पाप का प्रायश्चित कर लिया। मोदी जी ने सिंधिया को नजराने के तौर पर राज्य सभा का टिकिट और केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह भी दी। अब 2024 के चुनाव में माननीय मोदी जी गुना से सिंधिया को जिताने का अल्टीमेटम अपनी पार्टी को दे चुके हैं। मोदी जी ने महाराजा के लिए रैंक केपी सिंह यादव का टिकिट बड़ी बेरहमी से काटा।

मोदी जी जानते हैं कि जब कांग्रेस राजा-महाराजाओं की सनातन विरोधी रही है। कांग्रेस ने राजा-महाराजाओं को अपना चक्र बना लिया था। कांग्रेस के आज के शाहजादे राहुल गांधी का जन्म भी नहीं हुआ था तब उनकी दादी और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी जी ने राजा-महाराजाओं के प्रीविपर्स बंद कर दिया था। आपको बता दूँ कि 1947 में जब भारत आजाद हुआ उस समय लगभग 565 रजवाड़े या देशी रियासतें थीं, जिन्हें 'प्रिंसली स्टेट' कहा जाता था। और सरदार पटेल के प्रयासों से रजवाड़ों का भारतीय संघ में विलय हुआ। भारत सरकार ने राजाओं-महाराजाओं को वचन दिया था कि उन्हें अपने परिवार, निजी स्टाफ और राजमहलों के रख-रखाव के लिए सरकारी कोष से कुछ धनराशि दी जायेगी। इस संबंध में यह भी व्यवस्था की गयी थी कि राजाओं के जीवन काल में यह धनराशि उन्हें मिलती रहेगी, पर उसके उत्तराधिकारियों के लिए यह राशि धीरे-धीरे कम कर दी जायेगी। इसी राशि को प्रिवी पर्स कहते हैं।

दरअसल राजा-महाराजाओं को ये रकम गरीब जनता कि गाढ़ी कमाई में से दी जाती थी इसलिए कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी की दादी श्रीमती इंदिरा गाँधी ने प्रिवी पर्स की समाप्ति सन 1971 में कर दी । सितंबर 1970 में प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने प्रिवी प्रर्स को समाप्त करने के लिए लोकसभा में एक संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। लोकसभा में तो इसे दो-तिहाई बहुमत मिल गया, पर राज्यसभा में इसके पक्ष में आवश्यक विशेषाधिकार समाप्त कर दिये। लेकिन 15 दिसंबर, 1970 को उच्चतम न्यायालय ने इस अध्यादेश को अवैध करार दे दिया। परंतु इंदिरा गाँधी की सरकार इस प्रिवी पर्स को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प थी। 1971 में इंदिरा सरकार को शानदार जीत हासिल हुई और फिर 25वें संशोधन अधिनियम द्वारा देशी रियासतों के शासकों के प्रिवी पर्स और विशेषाधिकार समाप्त कर दिये गये।

दिलचस्प बात ये है कि आज माननीय मोदी जी जिन राजा-महाराजाओं के मान-सम्मान की गुहार लगा रहे हैं उन राजा - महाराजाओं में सबसे ज्यादा प्रिसी पर्स मैसूर के राजपरिवार को मिला, जो 26 लाख रुपए सालाना था। हैदराबाद के निजाम को 20 लाख रुपए मिलते थे वैसे प्रिवी पर्स की रेंज भी काफी दिलचस्प थी। काटोदिया के शासक को प्रिवी पर्स के रूप में महज 192 रुपए सालाना की रकम ही मिली। 555 शासकों में 398 के हिस्से 50 हजार रुपए सालाना से कम की रकम आई। 1947 में भारत के खाते से सात करोड़ रुपए प्रिसी पर्स के रूप में निकले। 1970 में ये रकम घटकर चार करोड़ रुपए सालाना रह गई। बहरहाल आप आज यदि तीसरे चरण के मतदाता हैं तो सोचकर वोट डालिये कि आपको राजाओं के मान की फिक्र है या उस रैंक के मान-सम्मान कि जो पांच किलो अनाज के लिए मोहताज है। मर्जी है आपकी, क्योंकि वोट है आपका।

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

– ललित गर्ग –

मानवीय गतिविधियों और क्रिया-कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दशार्ते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल-संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था – एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है. वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दशार्ता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है।

लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।

पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल-संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है।

सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन हैं नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, इनकी रक्षा करो, इन्हें अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाकर या उनका जीर्णोद्धार करके बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं।

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से देखने योग्य है और अनुकरणीय भी हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है। प्रेषक:

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोन: 22727486, 9811051133

कर्नाटक में यौन शोषण का गंभीर प्रकरण

आम चुनावों के लिए दो चरणों के मतदान हो चुके हैं और अब 7 मई को होने वाले तीसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर है। इस बीच एक चौंकाने वाली खबर कर्नाटक से आई है। यहां की हासन सीट से मौजूदा सांसद और एनडीए उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना 26 अप्रैल को हुए मतदान के बाद अगले दिन तड़के ही जर्मनी चला गया है। जर्मनी जाने का असली मकसद चुनाव की थकान उतारना है या कोई और वजह है, यह तो अभी सामने नहीं आया है। लेकिन खास बात यह है कि रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण की शिकायतों के बाद सिद्धारमैया सरकार ने विशेष जांच दल गठित किया है और अब एसआईटी रेवन्ना की तलाश कर रही है। गौरतलब है कि रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा है और इसके कई सौ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं।

रेवन्ना के खिलाफ राज्य महिला आयोग में कर्नाटक महिला दौर्जन्या विरोधी वेदिके संगठन ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि प्रभावशाली राजनेताओं द्वारा महिलाओं का यौन शोषण करने और उन्हें यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के दृश्य पूरे हासन जिले में पेन ड्राइव के माध्यम से फैलाए जा रहे हैं और सोशल मीडिया पर भी प्रसारित किए जा रहे हैं। वीडियो में कथित तौर पर प्रज्जवल रेवन्ना को कई महिलाओं के साथ दिखाया गया है। वेदिके ने महिला आयोग को अपनी शिकायत में कहा है- इस घटना ने कई महिलाओं के जीवन को खतरे में डाल दिया है और उनकी गरिमा को नुकसान पहुंचाया है। इस शिकायत के बाद राज्य महिला आयोग ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक को खत लिखा और उसके बाद एसआईटी गठित की गई। हालांकि इससे पहले ही रेवन्ना के जर्मनी जाने की खबरें आ गई थीं। प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता और हासन की होलेनारसीपुर से विधायक एच डी रेवन्ना का बेटा है। रेवन्ना की पार्टी जेडीएस, एनडीए में भाजपा की सहयोगी है। इस लिहाज से अब भाजपा पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर महिलाओं के यौन शोषण के इस गंभीर मुद्दे पर उसकी राय क्या है। क्या रेवन्ना को एनडीए का उम्मीदवार इसलिए बनाया गया, क्योंकि वह राजनीति में रसूखदार परिवार से आता है। क्या रेवन्ना को टिकट देना परिवारवाद का उदाहरण नहीं है। लेकिन हैरत की बात यह है कि भाजपा ने इस समूचे विवाद से खुद को किनारे कर लिया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एस प्रकाश का कहना है कि, 'हमारा, एक पार्टी के तौर पर इस वीडियो से कोई लेना-देना नहीं है। न ही हमने इस मामले में राज्य सरकार द्वारा विशेष जांच दल गठित करने के फैसले पर कोई टिप्पणी की है।' भाजपा की यह प्रतिक्रिया अप्रत्याशित नहीं है। हाल के कुछ उदाहरण यही बताते हैं कि जहां भाजपा को राजनैतिक फायदा दिखता है, वहां यौन शोषण जैसे गंभीर मामलों में उसका लेना-देना बनता है, अन्यथा नहीं बनता। मणिपुर में जब दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सरेराह घुमाने का भयावह वीडियो सामने आया, और इस पर भाजपा चौतरफा घिर गई, तब जाकर प्रधानमंत्री मोदी ने दो-तीन पंक्तियों का वक्तव्य दिया। इस बीच महिला पहलवानों ने भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए, लेकिन श्री मोदी ने उन्हें संसद या पार्टी से बाहर करने की कोई पहल नहीं की। बल्कि महिला पहलवानों को न्याय के लिए संघर्ष करते रोने पर मजबूर कर दिया। लेकिन प.बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण के मामले में जब वहां सत्ता पर बैठी तृणमूल कांग्रेस को घेरने का मौका श्री मोदी को नजर आया, तो इस मौके को उन्होंने नहीं गंवाया। संदेशखाली की महिलाओं से मुलाकात कर वहां एक भाषण में श्री मोदी ने उन्हें इंसाफ दिलाने की बात कही। अब यौन शोषण का एक गंभीर मामला कर्नाटक से सामने आया है, जिसमें संयोग से भाजपा के सहयोगी दल का नेता शामिल है, तो भाजपा ने फिर से मणिपुर वाली चुप्पी साध ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी के शक्ति वाले बयान को हिंदू धर्म की शक्ति पूजा से जोड़ते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने शक्तिका अपमान किया और साथ ही दावा किया था कि वे शक्ति स्वरूपा माताओं-बहनों की रक्षा के लिए जान की बाजी लगा देंगे। मणिपुर से लेकर महिला पहलवानों के मुद्दे तक तो प्रधानमंत्री मोदी से निराशा ही हाथ लगी है, अब देखना होगा कि प्रज्ज्वल रेवन्ना पर कथित तौर पर यौन शोषण के आरोप जिस तरह से लगे हैं, उसमें पीड़ित महिलाओं की रक्षा करने के लिए श्री मोदी क्या कदम उठाते हैं। बताया जा रहा है कि पीड़ित महिलाओं में कई पिछड़े समुदायों से हैं, यानी यहां अपराध की प्रकृति और गंभीर हो गई है। फिलहाल चुनाव के दौरान कर्नाटक के इस यौन शोषण मामले के सामने आने से भाजपा और जेडीएस के लिए मुसीबतें बढ़ गई हैं, क्योंकि अभी आगे के पांच चरणों में कई सीटों पर मतदान बाकी है। प्रज्ज्वल रेवन्ना का विरोध राज्य में कई जगहों पर हो रहा है और हासन के सांसद के पुतले जलाए जा रहे हैं। लोग प्रधानमंत्री मोदी से मांग कर रहे हैं कि वे इस बारे में कोई वक्तव्य दें। इस प्रकरण से भाजपा को बड़ा झटका इसलिए लग सकता है क्योंकि दक्षिण भारत में यही एक राज्य था, जहां भाजपा का थोड़ा-बहुत आधार बचा था। लेकिन अब वो भी खत्म हो सकता है।

हर हाल में घर-घर पहुंचायें मतदाता पर्चीः डीएम

मतदान प्रतिशत बढाने को डीएम सक्रिय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। लोकसभा चुनाव को सकुशल, शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनन्द ने तहसील सभागार में बूथ लेवल ऑफीसरों की बैठक में कहा कि 20 मई को मतदान के पहले हर हाल में मतदाताओं को घर-घर पर्ची पहुंच जानी चाहिए।

सोमवार को तहसील सभागार में हुई बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनन्द ने कहा कि मतदाता पर्ची बांटने का रजिस्टर

बैठक में बोलते डीएम।

बनायें। मतदाता पर्ची देते समय फोटो भी खीचें। मतदाता पर्ची सही ढंग से बांटेंगे तो जिले का मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। मतदान प्रतिशत बढ़ाने को मतदाता जनजागरूकता कार्यक्रम शहर व गांव में चल रहे हैं। मतदाता पर्ची बांटते समय कोई भी घर, मजरा, पुरवा छूटना नहीं चाहिए। गांव में कोई मतदाता शादी-विवाह में गया है, तो उसकी पर्ची घर में दें या सुरक्षित रखें। जब वह लौटे तो मतदाता पर्ची दी जाये। मतदाता पर्ची को सही ढंग से बांटें, कहीं फेंके नहीं। विशेष ध्यान दें, गांव में मतदाताओं को मतदान के दिन अधिक से अधिक बूथ पर पहुंचकर मतदान को प्रेरित करें। दिव्यांग मतदाता व 80 प्लस के मतदाताओं की मदद करें। इनमें जो मतदाता बूथ पर जाने को सहमत हैं तो मतदान केंद्रों में मतदान करायें। केंद्रों में जाने में असमर्थ हैं तो मतदान की व्यवस्था घर में की जाएगी। मतदाता सूची के कार्यो को सही ढंग से करें। मतदाता पर्ची बांटने में मेहनत करें, ताकि जिले का मतदान प्रतिशत बढ सके।

बैठक में एसडीएम सदर सौरभ यादव, तहसीलदार वाचस्पति सिंह, नायब तहसीलदार मंगल सिंह समेत संबंधित अधिकारी व बूथ लेवल ऑफीसर मौजूद रहे।

बिजली कटौती से गर्मी में ग्रामीण परेशान, पारा पहुंचा 42 डिग्री

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चिलचिलाती धूप के साथ तेजी से गर्मी बढ़ने से लोगों की परेशानी बढने लगी है। एक दिन पहले छायी बदली से तापमान में गिरावट हुई थी। अब दो डिग्री सेल्सियस के साथ पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी दौरान रात-दिन बिजली कटौती से लोग और परेशान हैं।

सोमवार को तेज धूप निकलने से गर्मी में वृद्धि हो गई हे। लोगों की परेशानी बढने लगी है। एक दिन पहले आसमान में छायी बदली से तापमान में गिरावट हुई थी, अब दो डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी के साथ 42 डिग्री तक तापमान पहुंच गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी दौरान रात-दिन बिजली कटौती से लोगों की रातों की नींद हराम हो गई है। गर्मी बढने से लोग घरों से बाहर निकलने में कतराने लगे हैं। जरूरी कार्य से ही लोग गमछा से सिर व मुंह ढककर निकल रहे है। गर्मी को देखते हुए लोग यात्रा करने से बच रहे हैं। गर्मी से बचाव को लगातार शीतल पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। आसमान में छायी बदली देखकर किसान तेजी से गेहूं-अरहर फसलों की कतराई में जुटे हैं। तेज हवायें चलने से भूसा उडने की सम्भावना से किसान भूसे को सुरक्षित करने में जुटे हैं।

कोतवाल ने चार पर लगाया मिनी गुण्डा एक्ट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर लोस चुनाव के मद्देनजर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह ने भोली-भाली जनता में भय-आतंक फैलाकर गुंडगर्दी करने वाले चार लोगों पर मिनी गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की है। सोमवार को कर्वी कोतवाल ने प्रेमचन्द्र पुत्र भगवानदीन, गुड्डू उर्फ राकेश पुत्र स्व भगवानदीन निवासी कैम्प का पुरवा डिलौरा, लालदास पुत्र फूलचन्द्र लोहार व मुन्ना पुत्र फूलचन्द्र लोहार निवासी बनाड़ी पर 110जी सीआरपीसी के तहत कार्यवाही की है।

श्रीकृष्ण बाल लीला का सुनाया वृतांत

अखंड भारत संदेश

कथा व्यास नवलेश दीक्षित।

चित्रकूट। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का रसपान भागवताचार्य नवलेश दीक्षित ने कराया। उन्होंने भगवान की बाल लीला का वर्णन किया। सोमवार को परिक्रमा मार्ग कामदगिरि में भागवत पीठ में चल रही कथा के पांचवे दिन भागवत आचार्य नवलेश दीक्षित ने कहा कि राजा परीक्षित को शुकदेव मुनि ने गिरिराज की कथा सुनाई। गिरिराज तीन भाई थे। कमदगिरि गिरिराज व काशी में एक भाई रहते थे। जीवन का उद्देश्य घर-मकान बनाना नहीं, सबकी सेवा व परमार्थ को है। भागवत पीठ में सुरी माता को कथा सुनाते हुए आचार्य ने बताया कि जीवन बहुत दुर्लभ है। क्षणभंगुर है। सभी लोग भगवान से जुड़े। इसी में कल्याण है। आरती बाद प्रसाद बांटा। इस मौके पर श्रोतागण मौजूद रहे।

बच्चों को बांधकर महिला कुआ में कूदी, तीनों की मौत

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर थाना क्षेत्र के ऊंचाड़ीह गांव के झलमल कालोनी में गृहकलह से तंग एक महिला अपने दो बच्चों को बांधकर कुआ में कूद गई। तीनों की मौत हो गई। पुलिस-प्रशासन समेत एसडीएम मौके पर पहुंच गये हैं। सोमवार को अपरान्ह तीन बजे ये घटना हुई। बताया गया कि झलमल कालोनी की एक महिला अपने दो मासूम बच्चों को बांधकर कुआ में छलांग मार दी। महिला समेत दोनों मासूमों की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि गृहकलह के चलते महिला ने आत्महत्या की है। शवों को कुआ से बाहर निकालकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम को जिला मुख्यालय मर्चरी भेजा गया है। घटना की विस्तार से जानकारी नहीं मिल सकी।

मुस्तैद-सचेत होकर करायें मतदानः डीएम

मतदान को है पर्याप्त पुलिस बलः एसपी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण-सकुशल संपन्न कराने को ऑडिटोरियम सभागार में 236 चित्रकूट विधानसभा व 237 मानिकपुर विधानसभा के जोनल/ सेक्टर मजिस्ट्रेटों की बैठक में जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेटों से कहा कि तीन बार चुनाव का प्रशिक्षण दिलाया गया है। भारत निर्वाचन जो चाहता है, वह निहित है। चुनाव को निष्पक्ष व पारदर्शिता

बैठक में निर्देश देते डीएम-एसपी।

से सम्पन्न कराने को क्षेत्र व पोलिंग पार्टियों का रूटचार्ट अच्छे से समझ लें। 19 मई व 20 मई को पोलिंग पार्टियां की रवानगी व मतदान के दिन अच्छा कार्य करेंगे।

सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अधिकारी फोन करें तो अवश्य रिसीव करें। मुख्य कार्य उनका है। मतदान के दिन काफी सक्रिय रहना है। मतदान समाप्ति बाद स्ट्रांग रूम में सभी पार्टियां चुनाव सामग्री जमा करायेंगी। मतदान दौरान कहीं मशीन खराब होती है तो तत्काल बदलें। कोई समस्या हो तो संबंधित उप जिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी को बतायें। उत्साह के साथ चुनाव सम्पन्न कराना सबका दायित्व है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि पोलिंग बाबत गतिविधियों में पीठासीन व सेक्टर मजिस्ट्रेट की अहम भूमिका है। क्षेत्र में सेक्टर मजिस्ट्रेट ही ऐसा अधिकारी है, जो मतदान केंद्र का बार-बार भ्रमण करता है। कोई समस्या आने पर वही निस्तारण करते हैं। पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था है। जिले में 87 सेक्टर बनाये हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेटों समेत संबंधित थानों की पुलिस बल लगाया है। सामान्य प्रेक्षक व पुलिस प्रेक्षक जिले में आयेंगे तो वे भी मतदान केंद्र व क्षेत्र भ्रमण करोंगे। सभी लोग पारदर्शिता से निर्भीक होकर चुनाव करायें। सीडीओ अमृतपाल कौर ने कहा कि जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेटों को चुनाव संबंधी प्रक्रिया बाबत जानकारी दी गई है। किसी को कोई समस्या हो तो बतायें, तत्काल निस्तारण किया जायेगा। बैठक में एडीएम एफआर उमेश चंद्र निगम, एसडीएम कर्वी सौरभ यादव, मऊ राकेश कुमार पाठक, मानिकपुर पंकज वर्मा, राजापुर प्रमोद कुमार झा, सीओ सिटी राजकमल, राजापुर सीओ श्रीमती निष्ठा उपाध्याय, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीडीओ आरके त्रिपाठी समेत संबंधित अधिकारी, जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

दो के कब्जे से 20 लीटर महुआ-20 क्वार्टर शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर लोस चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से 20 लीटर महुआ शराब व 20 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है।सोमवार को राजापुर थाने के दरोगा सिद्धनाथ राय ने अमर सोनकर पुत्र स्व राजुल सोनकर केवटरा काली माता मंदिर कस्बा राजापुर के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। इसी क्रम में सरधुवा थाने के दरोगा मुन्नीलाल ने चिरौंजी देवी पत्नी बलराम निषाद सुरवल के कब्जे से 20 लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

अग्नि पीडितों को एसडीएम ने दी खाद्य सामग्री

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजापुर तहसील के गोबरौल गांव के मजरा खेरवा में किसान देवीचरण सिंह, महेश सिंह, सूरजबली सिंह, निर्मला आदि के घर में अज्ञात कारणों से आग लगने से घर में रखी खाद्य सामग्री व गृहस्थी का सभी सामान जलकर राख हो गया। उप जिलाधिकारी राजापुर प्रमोद कुमार झा खाद्य सामग्री लेकर अग्नि पीड़ित परिवारों के घर गये। पीडितों को खाद्य सामग्री देकर सरकार से मिलने वाले अनुदान दिलाने का भरोसा दिया।

सोमवार को एसडीएम राजापुर प्रमोद कुमार झा ने अग्नि पीड़ित

पीडितों को मदद देते एसडीएम।

परिवारों से कहा कि फौरीतौर पर ये सुविधा दे रहे हैं। उन्होंने देखा कि अग्नि से लोगों की खासी क्षति हुई है। बिटिया की शादी को जो सामान रखा था, वह भी जल गया है। पीड़ित देवीचरण सिंह के घर में कुछ दिनों बाद बड़ी पुत्री रोशनी सिंह की शादी थी। किसान देवीचरण सिंह ने शादी में लगने वाली सारी गृहस्थी एकत्र कर ली थी, जो जलकर राख हो गई। उसके सामने सवाल है कि अब कैसे बिटिया की शादी होगी। अग्नि पीड़ित देवीचरण सिंह ने कहा कि रोशनी कि शादी में खर्च को रखे डेढ़ लाख रुपये नकद भी जलकर राख हो गये। एसडीएम ने कहा कि अग्नि पीड़ित परिवारों की मदद को समाजसेवियों को आगे आना चाहिए। ऐसे परिवारों की मदद करनी चाहिए। गोबरौल गांव के प्रधानाध्यापक रामलोटन पांडेय ने पीड़ितों को दस हजार रुपये की मदद की। भविष्य में और मदद का भरोसा दिया।

एक-एक बूंद पानी को कैलहावासी परेशान

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के कैलहा गांव में हैंडपम्प मरम्मत के नाम पर वर्ष 2022-23 व 23-24 में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। गांव में गर्मी शुरु होते ही पेयजल का संकट खडा हो गया है। बूंद-बूंद पानी को ग्रामीण तरसने लगे हैं। सोमवार को कैलहा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान व सचिव ने हैण्डपम्प मरम्मत में जमकर धांधली की है। एक भी हैण्डपम्प की मरम्मत नहीं कराई। मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये हडप लिए हैं। ऐसे में गांव में ज्यादातर हैण्डपम्प एक बूंद पानी नहीं दे रहे। ग्रामीण पेयजल को खासे परेशान हैं। पेयजल को ग्रामीण सवेरे-सवेरे दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि हैण्डपम्प मरम्मत में खर्च की धनराशि की जांच की जाये। जांच में घोटाला मिलने पर सचिव व प्रधान के खिलाफ कार्यवाही की जाये। क्योंकि वे एक-एक बूंद पानी को परेशान हैं।

बस स्टैण्ड कुआ का किसी ने नहीं कराया जीर्णोद्धार

खत्म हो रहा कुआ का आस्तित्व

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। धीरे-धीरे कुआ का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है। एक समय था जब गांवों के जमींदार शोहरत को कुआ-बावली बनाते थे। तब ग्रामीणों की जुबान पर होता था कि फला ठाकुर की बावली-कुआ है। परहित के लिए लोग कुआ-बावली खुदवाते थे।

सोमवार को कुआ के वजूद मिटने का खुलासा हुआ। बताया

कचरे से भरा कुआ।

गया कि कुआ का पूजन होता था। धीरे-धीरे कुआ पहचान खोते जा रहे हैं। कुआ का स्थान हैंडपंप ने ले लिया। जब किसी के घर में लड़का या लड़की होती है तो कुछ समय बाद कुआ पूजन होता है। कुआ पूजन किये बिना बच्चा जनने वाली महिला कुआ नहीं छूती थी। मोहल्ले की औरतें गाना-गाते हुए कुआ के पास तक जाती थी। कुआ के चारों ओर हल्दी का लेप लगाकर गीत-गाती थीं। अब ये सब बात किंवदन्तियां बनकर रह गई हैं। अब हर घर में हैंडपंप व पेयजल आपूर्ति वाले नल ने अधिकार जमा लिया है। गांव की महिलायें टोली में पीतल व मिट्टी के घड़े लेकर कुआ पर जाती थी। घंटों बाद पानी लेकर आती थीं। कस्बा पहाड़ी में भी कुछ ऐसा ही नजारा था। पूरे गांव के अंदर खारा पानी निकलता है, ये पीने योग्य पानी सिर्फ बस स्टाप के थाना वाले कुआ में था। पूरे गांव के लोग पीने का पानी वहीं से लाते थे। दाल पकाने को जहलन कुआ से पानी लाया जाता था। ये गांव से एक किमी दूर है। समय बदलने से सब रीति-रिवाज खत्म हो रहे हैं। इसी तरह कुआ भी अस्तित्व विहीन हो रहे हैं। पंचवर्षीय में प्रधान रही सरिता सिंह ने बहुत पुराने बस स्टाप के कुआ का जीर्णोद्धार कराया था। चबूतरे का निर्माण कराकर टीनशेड व कुआ की सफाई कराई थी। समरसेवल डलवाने के प्रयास किये। यहां दिन भर यात्रियों का आवागमन होता है। कार्यकाल खत्म होने पर ये कल्पना साकार नहीं हो सकी। कभी पूरे गांव को शीतल जल देने वाला कुआ आज कचरे से भरा पड़ा है। किसी जनप्रतिनिधि ने इस कुआ का जीर्णोद्धार कराने का विचार नहीं किया।

घर में लगी आग से दो झुलसे

गृहस्थी का सामान समेत नकदी हुए राख

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। थाना क्षेत्र के कहेटामाफी गांव में अचानक सवेरे दस बजे कच्चे घर में अज्ञात कारणों से लगी आग से घर में रखा गृहस्थी का सामान समेत जल गया। आग से घर में मौजूद दो लोग जलकर घायल हो गये।

सोमवार को ये अग्निकांड कहेटामाफी गांव में ज्ञानचंद रैकवार के घर में लगी। वह अपने भाई के घर गये थे। कच्चे घर में साले का पुत्र कृष्ण कुमार (10) सो रहा

आग से झुलसा बालक।

था। साढे दस बजे अचानक कच्चे घर में आग लगने से पड़ोसी ने आग बुझाने के प्रयास किये। सूचना पर ज्ञानचंद रैकवार घर पहुंचे तो घर के अंदर मौजूद कृष्ण कुमार को बचाने को जलती आग में घुस गये। जलती आग की चपेट से ज्ञानचंद रैकवार (50) व कृष्ण कुमार रैकवार (10) गंभीर रूप से झुलस गये। ग्रामीणों ने हैंडपंप व शादी को खड़े टैंकर से पानी लेकर आग बुझायी। दोनों घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। परिजनों ने बताया कि 26 अप्रैल को पुत्री की शादी की थी। शादी का सामान कपड़े, गेहूं, चावल, आटा, दाल, फ्रिज, कूलर, नगदी एक लाख साठ हजार व सोने- चांदी के जेवर समेत सारी सामग्री जलकर राख हो गई। दमकल को सूचना दी गई। मौके पर दमकल नहीं पहुंची।

गलतियों की सजा मोदी-योगी को न दें: आरके सिंह पटेल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बांदा-चित्रकूट लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल सोमवार को नामांकन करने बांदा पहुंचे। उन्होंने मीडिया से सार्वजनिक रूप से सभी लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि जाने-अनजाने उनसे गलतियां हुई हों तो उन्हें माफ कर दें। उनकी गलतियों की सजा योगी-मोदी को न दें।

सोमवार को बांदा-चित्रकूट लोस भाजपा प्रत्याशी/सांसद आरके सिंह पटेल के प्रत्याशी बनने के बाद सोशल मीडिया में विरोध की खबरें मिल रही थी। खासतौर से ब्राम्हण वर्ग के नाराज होने की बातें सामने आ रही है। ब्राम्हण समाज बीजेपी का कोर वोटर है। उनकी नाराजगी बीजेपी

मीडिया से बात करते आरके सिंह पटेल।

प्रत्याशी को महंगी पड़ सकती थी। बीजेपी उम्मीदवार आरके सिंह पटेल ने जाने-अनजाने हुई गलती को माफ करने की अपील कर रहे हैं। नामांकन करने से पहले मीडिया से कहा कि उनकी गलतियों की सजा योगी-मोदी को न दें। किसी बात से किसी को ठेंस पहुंची हो तो उन्हें माफ कर दें। बीजेपी प्रत्याशी आरके सिंह पटेल ने कहा कि पिछले पांच साल में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। भाई को भाई से लड़वाने का काम नहीं किया। गांवों के विकास के काम के साथ बीजेपी कार्यकर्ताओं को भी प्रणाम किया। कहा कि गलती हुई हो तो उसे माफ कर चुनाव में जुट जायें और भाजपा को विजयी बनायें।

ग्रामीणों को सचिव समय से दें जानकारीः डीपीआरओ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला पंचायत राज अधिकारी इन्द्र नारायण सिंह ने बताया कि देखा जा रहा है कि भीषण गर्मी में दूर-दराज से ग्रामीण जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र व परिवार रजिस्टर की नकल आदि को विकासखण्ड कार्यालय समेत कार्यालय में आवेदन देने व वांछित सूचना पाने को चक्कर लगाते हैं। उन्हें परेशान होना पड़ता है।

सोमवार को डीपीआरओ इन्द्र नारायण सिंह ने जनसुनवाई दौरान ग्रामीणों से कहा कि सम्बन्धित सचिव गांव में कब आते हैं-कब जाते हैं-समय निर्धारित न होने से गांव में नहीं मिलते हैं। विकासखण्ड में भी कई बार चक्कर लगाने के बाद मिलते हैं। आवेदन नहीं लेते। नियम बताकार उच्चाधिकारियों व सहायक विकास अधिकारी पंचायत व जिला पंचायत राज अधिकारी तथा एसडीएम को आवेदन देने को कहते हैं। ये स्थिति बेहद आपत्तिजनक है।

उन्होंने संबंधित सचिव को आदेश दिये कि तैनाती/प्रभार की गांव में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र व परिवार रजिस्टर की नकल देन को आवेदन लेने की व्यवस्था पंचायत भवन में करें। लाभार्थी के आवेदन देने की तिथि हस्ताक्षर समेत प्राप्ति रसीद दें। अनिवार्य रूप से एक सप्ताह में सभी औपचारिकता पूरी कर सम्बन्धित नकल प्रमाण पत्र दें। गांव में डिग्गी पिटवाकर ग्रामीणों को बतायें। किसी मामले में सहायक विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी व एसडीएम से सम्बन्धित है तो लाभार्थी को बतायें। प्रत्येक माह की 25 तारीख को सम्बन्धित सचिव ग्राम पंचायत व सहायक विकास अधिकारी समेत अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को 24 तारीख तक निस्तारित/लम्बित आवेदनों की सूचना प्रारूप पर दें।

छात्र संख्या बढ़ाने को एक सत्र में एक छात्र का दो-दो स्कूलों में प्रवेश

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने की गरज से अध्यापक बिना टीसी लिये छात्रों का विद्यालय में नाम दर्ज कर रहे हैं। एक सत्र में एक छात्र का नाम दो-दो विद्यालयों में दर्ज हैं। कायदे से जांच की जाये तो ऐसे तमाम मामले सामने आयेंगे। दोषी अध्यापक के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए।

सोमवार को विद्यालयों में एक छात्र का नाम दो-दो विद्यालयों में दर्ज होने का खुलासा हुआ। बताया गया कि अरमान सिंह राणा पुत्र केशव प्रसाद हनुवा प्राथमिक विद्यालय भाग-1 कक्षा एक से कक्षा पांच तक शिक्षारत था। उसका नाम प्रधानाध्यापक अजय प्रताप सिंह ने प्राथमिक विद्यालय सरैंया भाग-1 में बिना चार पास के मार्कशीट व टीसी लिए कक्षा पांच में दर्ज कर लिया था। कक्षा पांच की टीसी भी दोनों विद्यालय से जारी हो गई है। चिन्ता की बात ये है कि ये छात्र अपने क्षेत्र के चार-चार प्राथमिक विद्यालय होने के बाद भी प्राथमिक विद्यालय भाग-1 हनुवा, प्राथमिक विद्यालय भाग-2 हनुवा, बजहापुरवा भाग-1, गडरिया पुरवा भाग-1 हनुवा को छोडकर सरैंया में क्यों दर्ज कराया। कहीं ऐसा तो नहीं कि छात्र संख्या बढ़ाने की गरज से प्रधानाध्यापक अजय प्रताप सिंह ने प्राथमिक विद्यालय सरैंया भाग-1 में दर्ज किया हो। बेसिक शिक्षा विभाग से हर माह क्वार्टर एलाउंस लेकर प्रधानाध्यापक मप्र में निवास बनाये है। दर्जनों अध्यापक आचार संहिता लगी होने के बाद निर्वाचन आयोग के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये अध्यापक एक भी दिन आचार संहिता लगी होने के बाद मुख्यालय में नहीं रुक रहे। प्रतीत होता है कि खंड शिक्षाधिकारी मानिकपुर मिथिलेश कुमार की मिलीभगत से दर्जनों अध्यापक मुख्यालय छोड़कर सतना मप्र से अप- डाउन करने का नियम बनाये हैं। अप-डाउन के चक्कर में आये दिन विलम्ब से विद्यालय आते हैं या विद्यालय समय से पहले ट्रेन पकड़ लेते हैं। कहीं न कहीं खंड शिक्षाधिकारी मानिकपुर की मिलीभगत से ये हो रहा है। आखिर चार-चार प्राथमिक विद्यालय छोड़कर इस बच्चे का नाम बिना टीसी लिए कक्षा पांच प्राथमिक विद्यालय सरैंया भाग-1 में कैसे दर्ज हो गया। ये चिन्ता का विषय है। इस बाबत खंड शिक्षाधिकारी मानिकपुर मिथलेश कुमार ने बताया कि अगर एक लड़का एक साथ दो विद्यालय में दर्ज है तो गलत है।

दक्षिणी नेपाल में भीषण गर्मी और लू का कहर, कई स्कूलों ने की छुट्टी

काठमांडू। नेपाल के तराई क्षेत्र में अप्रैल के आखिरी सप्ताह में पड़ रही भीषण गर्मी आने वाले दिनों में लोगों की परेशानी बढ़ाने वाली है। बढ़ते तापमान के कारण कई स्थानों पर स्कूलों को बन्द करना पड़ा है। लोगों के रोजमर्रा के कामकाज पर भी असर पड़ा है।

अप्रैल के अन्तिम हफ्ते में जहां आमतौर पर नेपाल के दक्षिणी हिस्से का तापमान 32-35 डिग्री सेल्सियस रहा करता था, इस बार इसी समय कई स्थानों का तापमान 40 डिग्री के पार हो गया है।

इतना ही नहीं, काठमांडू के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है। सामान्य तौर पर काठमांडू में अप्रैल में तापमान 25-28 डिग्री हुआ करता था लेकिन इस समय काठमांडू का भी तापमान 33 डिग्री तक पहुंच गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक गर्मी अपना प्रचण्ड रूप दिखा रही है । तराई में लगातार तापमान बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ सप्ताह से अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तराई में गर्म हवा और लू चल रही है। इसके कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। रविवार को तराई के पांच क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान भैरहवा में 42.48 डिग्री सेल्सियस था। शनिवार को भी यहां 42.24 डिग्री ही था। इसी तरह रविवार को धरान में 40, विराटनगर में 40.2, सिमरा में 40.3 और जनकपुर में 41.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकार्ड किया है। धनगढ़ी और नेपालगंज का तापमान भी वैसे तो 40 डिग्री पहुंचा है लेकिन लू चलने की वजह से भीषण गर्मी है। नतीजतन, स्थानीय प्रशासन ने विद्यालयों को बन्द करने का आदेश दिया है।

मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी के अनुसार कम से कम इस हफ्ते तक तराई के अधिकांश जिलों में गर्म हवा चलने के कारण भयंकर लू वाला मौसम रहने वाला है। विभाग ने लोगों को लू से बचने की सलाह दी है।

इधर, काठमांडू में भी दिन प्रतिदिन तापमान बढ़ रहा है। सामान्य तौर पर जहां गर्मी के चरम पर भी काठमांडू का तापमान 30 डिग्री के पार नहीं होता था, वहीं इस बार अप्रैल में ही तापमान 33 डिग्री के पार जा चुका है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को काठमांडू का अधिकतम तापमान 33.3 है। रविवार को यहां का तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस था ।

रूसी ड्रोन के भीषण आक्रमण से यूक्रेन के मीकोलेव के होटल और बिजलीघर को नुकसान

कीव। रूस ने रविवार को काला सागर के किनारे बसे यूक्रेनी शहर मीकोलेव पर भीषण ड्रोन हमला किया। इस हमले में एक होटल में आग लग गई और एक बिजलीघर को नुकसान हुआ है। इसी बीच पूर्वी यूक्रेन में भीषण लड़ाई की सूचना है। ज्ञात रहे कि दोनों देशों के बीच दो साल से अधिक समय से युद्ध जारी है।

रूसी हमले के कारण यूक्रेनी सेना को कम से कम तीन युद्ध क्षेत्रों में पीछे हटना पड़ा है। इससे कुछ नए इलाके रूसी सेना के कब्जे में जाने का खतरा पैदा हो गया है। इस दौरान यूक्रेनी सेना की गोलाबारी में जपोरीजिया इलाके में तीन नागरिकों के मारे जाने की सूचना है।

मीकोलेव प्रांत के गर्वनर विटाली किम ने बताया है कि रूसी हमले में प्रांतीय राजधानी में स्थित होटल को भारी नुकसान हुआ है। साथ ही शहर के ऊर्जा उत्पादक संयंत्र को भी नुकसान हुआ है, लेकिन इन हमलों में किसी की मौत नहीं हुई है। जबकि रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआइए ने कहा है कि रूसी सेना ने मीकोलेव में समुद्री ड्रोन तैयार करने वाले ठिकाने पर हमला किया। इस हमले में वह होटल भी निशाना बना है जिसमें अंग्रेजी बोलने वाले विदेशी नाविक और कर्मी रहते थे। ये सभी युद्ध में यूक्रेन की ओर से लड़ते हैं।रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि शनिवार-रविवार की रात देश के दक्षिण-पश्चिम भाग में यूक्रेन के 17 हमलावर ड्रोन को हवा में नष्ट किया। ये ड्रोन रूसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से भेजे गए थे। कोई भी ड्रोन रूस को जान-माल का नुकसान पहुंचाने में सफल नहीं हुआ। इस बीच रूसी गोलाबारी में यूक्रेन के विभिन्न इलाकों में सात नागरिक घायल हुए हैं। इन दिनों डोनेस्क और खार्कीव के इलाकों में लड़ाई चल रही है। यूक्रेन की सेना गोला-बारूद की कमी झेल रही है। इसके चलते वह केवल अपनी जमीन को बचाने के लिए ही लड़ाई लड़ रही है। इससे पहले रूस के कब्जे में जा चुके क्षेत्र को यूक्रेन मुक्त नहीं करा पा रहा है।

पाकिस्तान में हिंगलाज माता मंदिर की तीर्थयात्रा संपन्न

हिंगलाज। पाकिस्तान स्थित हिंगलाज मंदिर की तीर्थयात्रा रविवार को संपन्न हो गई। आयोजकों के अनुसार शुक्रवार को शुरू हुई तीर्थयात्रा में एक लाख से अधिक हिंदू श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

एक पहाड़ के शीर्ष पर स्थित हिंगलाज माता मंदिर की तीर्थयात्रा के दौरान हजारों की संख्या में हिंदू श्रद्धालु सैकड़ों सीढ़ियां चढ़कर माता के दर्शन पूजन करने जाते हैं। प्राचीन मंदिर के दर्शन पूजन के तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में पाकिस्तान स्थित हिंदू दर्शन करने जाते हैं। ज्ञात रहे कि मुस्लिम-बहुल पाकिस्तान में 44 लाख हिंदू रहते हैं, जो आबादी का केवल 2.14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंगलाज माता मंदिर उन कुछेक हिंदू धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां हर साल बड़ी संख्या में तीर्थयात्री जुटते हैं। मान्यता के अनुसार हिंगलाज माता मंदिर उस स्थान पर है जहां माता सती के अवशेष धरती पर गिरे थे।

मंदिर के सबसे वरिष्ठ पुजारी महाराज गोपाल ने कहा, यह हिंदू धर्म में सबसे पवित्र तीर्थयात्रा है। जो भी इन तीन दिन के दौरान मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करता है वह सभी पापों से मुक्त हो जाता है।

नेपाल पुलिस का मोस्ट वांटेड भारतीय अपराधी शूट आउट में गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल भारतीय अपराधी बबलू पासवान को पुलिस ने एक शूटआउट के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। काठमांडू में डेढ़ साल पहले एक आईएसआई एजेंट की हुई हत्या में संलग्न होने के आरोप में बीरगंज पुलिस को उसकी तलाश थी।

पर्सा जिला के एसपी होमेन्द्र बोगटी ने बताया कि बबलू पासवान के भारत से रक्सौल सीमा पार कर बीरगंज आने की सूचना के बाद पुलिस की कई टीम को लगाया गया था। पुलिस की घेराबन्दी किए जाने की आशंका में बबलू पासवान ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे नियंत्रण में लेने के लिए फायरिंग करनी पड़ी। एक गोली बबलू के पैर में लगी, जिसके बाद पुलिस उसे अपने नियंत्रण में ले पाई। बबलू पासवान को बीरगंज के नारायणी उपक्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक पासवान के पास से कुछ मात्रा में ब्राउन शुगर भी बरामद हुई है।

एसपी बोगटी ने बताया कि पासवान पर काठमांडू के गोठाटार में मारे गए आईएसआई एजेंट लाल मोहम्मद की हत्या में संलग्न होने का आरोप है। वह आईएसआई और दाउद इब्राहिम की डी कंपनी के लिए वर्षों तक काम करता रहा था। 15 साल तक जेल की सजा काटने के बाद लाल मोहम्मद अपने परिवार के साथ काठमांडू के गोठाटार में रहता था, जहां 20 सितम्बर, 2022 को उसकी हत्या कर दी गई थी।

पुलिस की जांच से पता चला था कि आईएसआई के साथ अनबन होने और पैसे के लेन-देन को लेकर हुए विवाद के कारण दाउद ने अपने गुर्गे के जरिए उसकी हत्या करवा दी थी। पुलिस की जांच में पासवान पर इस हत्याकांड में शूटरों को काठमांडू तक लाने और हथियार का बंदोबस्त करने का आरोप लगा था। इसके अलावा भी पासवान पर नेपाल के विभिन्न आपराधिक घटनाओं में भी शामिल होने का आरोप है।

मानवीय सहायता लॉरियां गाजा पहुंच रहीं, संयुक्त राष्ट्र ने संख्या बढ़ने की पुष्टि की : आईडीएफ

गाजा/तेल अवीव। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता ने बताया कि गाजा पट्टी में अधिक मानवीय सहायता पहुंच रही है। पिछले सप्ताह कुछ दिनों में 400 से अधिक लॉरियां मानवीय सहायता लेकर यहां पहुंची हैं।

इजरायल पर भूमध्य सागर के सील बंद क्षेत्र में अधिक सहायता वितरण की अनुमति देने के लिए भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है।

संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में आने वाली लॉरियों की संख्या में वृद्धि की पुष्टि की है, लेकिन वह इजरायल से अधिक सहायता वितरण की अनुमति देने के लिए और कदम उठाने का आह्वान कर रहा है। गाजा पट्टी में प्रवेश करने वाली लॉरियों पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े भी अक्सर इजरायल द्वारा जारी आंकड़ों से काफी कम होते हैं।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय के अनुसार, 18 अप्रैल तक और इसमें शामिल सप्ताह में प्रति दिन औसतन केवल 175 रॉलियां आईं।

सहायता संगठनों ने कहा कि युद्ध से पहले हर दिन लगभग 500 ट्रक क्षेत्र में प्रवेश करते थे। हालांकि, सेना के प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि ये सिर्फ मानवीय सहायता नहीं ले जा रहे थे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

चीन अब बांग्लादेश में भारतीय कार- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बाजार पर कब्जा करने की जुगत में

ढाका। भारत-बांग्लादेश के बीच खून के रिश्ते के साथ व्यापारिक संबंध भी सबसे प्रगाढ़ हैं। इन संबंधों पर अब चीन बुरी नजर डाल रहा है । यहां भारतीय कंपनियों के कार और इलेक्ट्रॉनिक बाजार पर कब्जा करने के लिए चीन डोरे डालने लगा है। चीन की तीन कंपनियां बांग्लादेशी कंपनियों के साथ मिलकर कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट तैयार करना चाहती हैं। अकीज ग्रुप और एसीआई मोटर्स सहित कई बांग्लादेशी कंपनियां संयुक्त कारखाने स्थापित करने के लिए आगे आई हैं। हालांकि बांग्लादेश में इन कारों का निर्माण नहीं होगा बल्कि सब कुछ चीन में बनेगा और बांग्लादेश में केवल असेंबलिंग होगी।

भारतीय बाजार में कारें निर्यात करने वाली चीनी कंपनियों पर कई तरह के प्रतिबंध हैं। भारत में चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के निवेश में भी बाधाएं हैं। इसलिए, वैकल्पिक दृष्टिकोण के रूप में, चीन बांग्लादेश में कंपनियों के साथ साझेदारी स्थापित कर भारत की कार, लिथियम बैटरी, मोबाइल विनिर्माण कारखानों सहित विभिन्न उत्पादों के बाजार को नियंत्रित करना चाहता है।

बताया गया है कि तीन चीनी ऑटोमोबाइल कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित अनहुई प्रांतीय पीपुल्स कांग्रेस के 17 सदस्यों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने निवेश में रुचि व्यक्त करते हुए 23 अप्रैल को बांग्लादेश का दौरा किया। उन्होंने बांग्लादेश-चीन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीसीआई) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

चीनी कंपनी चेरी ऑटोमोबाइल ने बांग्लादेश में अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) फैक्टरी स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है, जबकि जियानघुई ऑटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड और फोटॉन मोटर्स ने ट्रक और यात्री बस विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है। फोर्कलिफ्ट निर्माण में विशेषज्ञता वाली एक अन्य चीनी कंपनी - हेली ने बांग्लादेशी उद्यमियों के साथ संयुक्त रूप से एक कारखाना स्थापित करने में दिलचस्पी दिखाई है। गोशन हाई-टेक कंपनी लिमिटेड ने कहा है कि वह हाई-टेक इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी बनाने के लिए एक कारखाना स्थापित करना चाहती है।

चीनी प्रतिनिधिमंडल 22 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचा और 24 अप्रैल रात वापस लौटा। चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में बांग्लादेश के अकीज ग्रुप सहित कई कंपनियों ने चेरी ऑटोमोबाइल कंपनी के साथ संयुक्त रूप से इलेक्ट्रिक कार और लिथियम बैटरी उत्पादन संयंत्र स्थापित करने में निवेश पर सहमति व्यक्त की है। बांग्लादेश एनर्जी पैक के प्रबंध निदेशक हुमायूं रशीद ने चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि वे रेफ्रिजरेटेड कवर वैन, कवर वैन और स्ट्रीट लाइट रखरखाव के लिए उपयोग की जाने वाली क्रेन सहित विशेष वाहनों के निर्माण के लिए चीन की जेएसी और हेली कंपनी के साथ काम कर रहे हैं। हुमायूं रशीद ने कहा कि चीन की सरकार चाहती है कि उनकी कंपनियां बांग्लादेश में अपना निवेश बढ़ाएं। हम चीनी कंपनियों के साथ इलेक्ट्रिक बसें और इलेक्ट्रिक ट्रक बनाएंगे। अब तक हमने 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है। 500 करोड़ रुपये और निवेश करने की योजना है।

बांग्लादेश की एसीआई मोटर्स ने भी बांग्लादेश में यात्री बसों और अन्य वाहनों के विनिर्माण और असेंबलिंग क्षेत्र में चीनी कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से निवेश करने में रुचि व्यक्त की है। बीसीसीसीआई के महासचिव अल मामून मृधा ने कहा कि चीनी कंपनियां अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए बांग्लादेश में निवेश करने के लिए व्यापारिक साझेदारों की तलाश में आई थीं। उन्होंने कहा, "अकीज ग्रुप, एसीआई मोटर्स सहित बांग्लादेश में विभिन्न औद्योगिक कंपनियों के अधिकारी रुचि व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने चीनी कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम में ऑटोमोबाइल उद्योग में निवेश करने में रुचि व्यक्त की है।"

व्यवसायी अल मामुन मृधा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में अनहुई प्रांत की एक कृषि उत्पाद प्रसंस्करण (एग्रो प्रोसेसिंग) कंपनी के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। वे बांग्लादेश के कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के इच्छुक हैं। इन लोगों का मानना है कि इससे दोनों देशों को व्यावसायिक तौर पर फायदा होगा।

एलोन मस्क अचानक चीन पहुंचे, एक सप्ताह पहले रद्द की थी भारत यात्रा

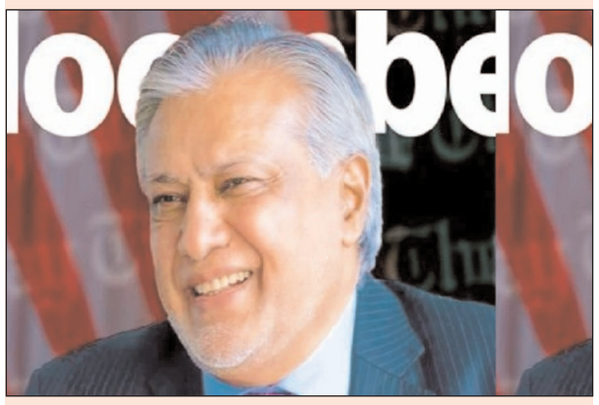

बीजिंग। टेस्ला प्रमुख एलोन मस्क रविवार को अचानक चीन पहुंच गए। यहां वह टेस्ला की गाड़ियों में फुल सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक (एफएसडी) की शुरूआत कर सकते हैं। वह गुरुवार को शुरू बीजिंग आटो शो के कुछ दिनों बाद बीजिंग पहुंचे हैं। मस्क की भारत की यात्रा टालने के महज एक सप्ताह बाद चीन पहुंचे हैं। ज्ञात रहे कि माह भारत यात्रा पर आने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने की योजना थी।

हालांकि, मस्क ने टेस्ला के दायित्वों का हवाला देते हुए अपनी भारत यात्रा रद्द कर दी थी और एक्स पोस्ट में वर्ष के अंत में आने की उम्मीद जताई थी।

अमेरिका की इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला के सीईओ मस्क चीन अंतरराष्ट्रीय व्यपार संवर्धन परिषद (सीसीपीआइटी) के निमंत्रण रविवार दोपहर बीजिंग पहुंचे। उन्होंने परिषद के अध्यक्ष रेन होंगबिन के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। तकनीकी दिग्गज ने रविवार को चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की और अपने व्यापार का देश में विस्तार की योजनाओं पर चर्चा की

माना जा रहा है कि वह राज्य परिषद के वरिष्ठ चीनी अधिकारियों और बीजिंग में पुराने मित्रों से मुलाकात कर सकते हैं। 2020 में शंघाई में फैक्ट्री खोलने के बाद से टेस्ला चीन में लोकप्रिय ईवी बन गया है। हालांकि कंपनी को हाल के वर्षों में चीनी ईवी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है और कंपनी को चीन में अपनी स्थिति शीर्ष पर रखने के लिए अपने वाहन के दामों में छह प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ी है।

जर्मनी के बाद लंदन में चीन के लिए जासूसी करने वाले दो लोग धरे गए

लंदन। लंदन में दो लोगों को चीन के लिए जासूसी करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। इससे कुछ दिन पहले ही जर्मनी में चार व्यक्तियों को इसी आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। खुफिया विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि गहराई तक समा चुकी समस्या का यह सिर्फ एक बानगी है।

निक्की एशिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि लंदन में आरोप का सामना करने वाला एक व्यक्ति संसदीय शोधकर्ता था और उसका कई राजनेताओं से संपर्क था। वह व्यक्ति चीन के विरुद्ध ब्रिटेन की नीति को प्रभावित कर सकता था।

दक्षिणपंथी राजनीतिक पार्टी से संबंधित यूरोपीय संसद के सदस्य का सहायक था। हाल के वर्षों में चीनी जासूसी के दावों ने यूरोप में ब्रिटेन से लेकर जर्मनी, नीदरलैंड और यूरोपीय संघ के केंद्र बेल्जियम तक को परेशान कर दिया है। इनमें से कुछ संचालक ऊंचे पदों पर पहुंच गए हैं।

यहां बन रहा है दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, 400 गेट, 5-5 रनवे, 260 मिलियन पैसेंजर, और क्या-क्या होंगी सुविधाएं?

नई दिल्ली

दुनिया के कई देशों में एक से बढ़कर एक एयरपोर्ट बने हुए हैं। ऐसे-ऐसे हवाई-अड्डे कि जिन्हें 5 सितारा होटल भी कहें तो ज्यादा नहीं होगा। लेकिन अब इन सब को टक्कर देने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाया जा रहा है। जिसमें 5-5 रनवे होंगे, 400 तक गेट होंगे। इस एयरपोर्ट को बनाने में करीब 35 अरब डॉलर की भारी-भरकम रकम खर्च होगी। ये एयरपोर्ट दुनिया की सबसे बड़ी क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा।

35 अरब डॉलर की रकम होगी खर्च

दुनिया का ये सबसे बडा. एयरपोर्ट संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में

बनाया जा रहा है। इस हवाई अड्डे का नाम अल मकतूम है। दुबई के प्रधान मंत्री और उपराष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने कहा कि ये नया टर्मिनल वर्तमान में बने दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 5 गुना बड़ा होगा। आने वाले समय में इस एयरपोर्ट के सभी उड़ाने नए अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

ये है नए हवाई अड्डे की खासियत

शेख मोहम्मद ने इस एयरपोर्ट की खासियतें भी बताईं। ये एयरपोर्ट सालाना 260 मिलियन यात्रियों को संभालेगा। इस एयरपोर्ट में 5-5 रनवे होंगे। यही नहीं इस एयरपोर्ट में 400 एयरक्राफ्ट को ले जाने वाले 400 विमान द्वार या गेट होंगे।

दस लाख लोगों के आवास की मांग बढ़ेगी

शेख मोहम्मद ने कहा कि जैसा कि हम दुबई दक्षिण में हवाई अड्डे के चारों तरफ एक पूरा शहर बनाते हैं, दस लाख लोगों के लिए आवास की मांग बढ़ेगी। यह लॉजिस्टिक्स और हवाई परिवहन क्षेत्रों में दुनिया की अग्रणी कंपनियों की मेजबानी करेगा।

शेख मोहम्मद ने कहा कि ह्महम भावी पीढ़ियों के लिए एक नई परियोजना का निर्माण कर रहे हैं, जिससे हमारे बच्चों और उनके बच्चों के लिए निरंतर और स्थिर विकास सुनिश्चित हो सके।

चीन और अमेरिका में पांच मुद्दों पर बनी सहमति

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्री वांग यी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने 26 अप्रैल को राजधानी पेइचिंग में बातचीत की। दोनों नेताओं ने विचारों के आदान-प्रदान पर पांच सूत्रीय समानताएं बनाईं।

पहला, दोनों पक्षों ने अपने-अपने राष्ट्राध्यक्षों के मार्गदर्शन में स्थिर और प्रगतिशील चीन-अमेरिका संबंधों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उन्होंने सैन फ्रांसिस्को शिखर सम्मेलन के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में बातचीत और सहयोग में हुई सकारात्मक प्रगति की सराहना की और शिखर सम्मेलन के दौरान हुए महत्वपूर्ण समझौतों के कार्यान्वयन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता जतायी।

दूसरा, दोनों पक्षों ने शासन के विभिन्न स्तरों पर उच्च स्तरीय आदान-प्रदान और जुड़ाव बनाए रखने के महत्व पर सहमति जतायी।